राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 264
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 06 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दनकौर पुलिस ने तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार, कब्जे मोटरसाइकिल, अवैध असलहा, मोबाइल, लैपटॉप, एलईडी बरामद

पेज 5 राहुल गांधी ने अमेठी से जताया पुराना प्यार, नवरात्रि में मंदिरों के लिए भेजी चुनरी और पूजन सामग्री

पेज 7 तेल के लिए भुगतान पर रोक नहीं, रूस पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए तैयार : अमेरिका

गोरखनाथ मंदिर के हमलावर का आतंकी नेटवर्क, स्लीपर सेल जोड़ने के लिए बनाया ऐप

आईएस से है कनेक्शन, आतंकी अबू हमजा के वीडियो देखकर आया था

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात PAC जवानों पर हमला करने वाले मुर्तजा अहमद अब्बासी का कनेक्शन आईएस और अंसार गजवा-वा तुल जैसे खतरनाक आतंकी संगठनों से जुड़ा है। वह भारत-नेपाल बॉर्डर के कई संदिग्ध मदरसों और मरकज के भी संपर्क में रहा है। उसके लैपटॉप और बैग से मिले सुरागों के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस का एंटी टेररिस्ट सेल अलर्ट पर आ गया है।

ATS उसे लेकर सिद्धार्थनगर और महाराजगंज जा रही है, क्योंकि हमले से पहले वह दो दिन तक सिद्धार्थनगर के बांसी में ही ठहरा था। यहीं से उसने वह बांका भी खरीदा था, जिससे जवानों पर हमला किया। इतना ही नहीं, इस मामले की जांच के क्रम में ‚ञस की अलग-अलग टीमों ने

गोरखपुर के साथ ही कुशीनगर, महाराजगंज और सिद्धार्थनगर में भी छापेमारी शुरू कर दी है। अंसार गजवा-वा तुल अल-कायदा समर्थित आतंकी संगठन है। इसका मकसद निजाम-ए-मुस्तफा लाना है। यह भारत में भी काफी समय से सक्रिय है।

मुर्तजा ने आतंकी अबू हमजा का आठ बार वीडियो देखा

एटीएस की जांच में सामने आया है कि मुर्तजा ने हमले से पहले आतंकी अबू हमजा के वीडियो 8 बार देखे थे। इसके अलावा अरब देश में नाटो से गोरिल्ला लड़ाई की वीडियो क्लिप भी मुर्तजा ने सैकड़ों बार देखा था। करीब 8 मिनट की ये वीडियो क्लिप मुर्तजा के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में अरबी भाषा में अबीद के नाम से पाई गई है।

स्लीपर सेल बढ़ाने के लिए बनाया था ऐप

अब तक की जांच में सामने आया है कि मुर्तजा आतंकी संगठनों से जुड़ा स्लीपर सेल हो सकता है। इसी दिशा में ‚ञस पहले से काम कर रही है। मुर्तजा खुद एक केमिकल इंजीनियर है। उसने एक ऐप भी डेवलप किया था। एटीएस को आशंका है कि इस ऐप का इस्तेमाल कर वह आतंकी स्लीपर सेल नेटवर्क को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा था।

केंद्र को मिलेंगी कई शक्तियां

लोकसभा के बाद राज्यसभा में पारित हुआ नगर निगम संशोधन विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक 2022 ध्वनिमत से पारित हो गया है। 30 मार्च को लोकसभा में यह संशोधन विधेयक पारित हो गया था। विधेयक को पेश करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एमसीडी के साथ आम आदमी पार्टी ने सौतेला व्यवहार किया है। तीनों क्षेत्रों में सुचारु रूप से काम करने के लिए एमसीडी का विलय जरूरी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और दूतावास जैसे महत्वपूर्ण स्थान है ऐसे में

एमसीडी का सुचारु रूप से काम करना जरूरी है। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कानून को लाने के लिए संवैधानिक क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। हमें सत्ता का भूखा कहने वालों को खुद आईने में अपनी तस्वीर देखनी चाहिए।

क्यों किया गया था एमसीडी का बंटवारा?

अमित शाह ने आरोप लगाया कि 2011 में शीला दीक्षित की सरकार के समय आनन फानन में एमसीडी का बंटवारा कर दिया गया था। बालाकृष्णन कमिटी की रिपोर्ट के बाद दिल्ली नगर निगम में अच्छा प्रशासन और संचालन में सुविधा के विचार से इसके तीन भाग कर दिए गए थे। 2011 में दिल्ली एमसीडी संशोधन विधेयक लाया गया था जिसे तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल ने हरी झंडी दी थी।

एमसीडी संशोधन विधेयक 2022 पास होने के बाद क्या बदलेगा?

राज्यसभा से भी यह विधेयक पारित हो गया है। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून में बदल जाएगा। इसके बाद तीनों एमसीडी का विलय करके एक ही नगर निगम बनाया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली के पार्षदों को कम करके 272 से 250 तक सीमित कर दिया जाएगा। इस कॉर्पोरेशन को दिल्ली नगर निगम के नाम से जाना जाएगा। केंद्र सरकार ही फैसला करेगी कि नगर निगम में कितने पार्षद होंगे और कितनी सीटें आरक्षित की जाएंगी। इसके अलावा केंद्र सरकार का सैलरी व अन्य सुविधाओं पर नियंत्रण होगा। नए विधेयक में यह भी कहा गया है कि एमसीडी कमिश्नर सीधे केंद्र सरकार को जवाबदेह होगा।

भारत में 22 यूट्यूब चैनल ब्लॉक

पहली बार देश के 18 यूट्यूब चैनलों पर भी लगा बैन; 4 पाकिस्तानी न्यूज चैनल भी शामिल

नई दिल्ली। भारत सरकार ने पाकिस्तान पर एक बार फिर डिजिटल स्ट्राइक की है।

आईबी मिनिस्ट्री ने मंगलवार को 22 यू-ट्यूब चैनल्स को ब्लॉक कर दिया। इनमें 4 पाकिस्तान बेस्ड यू-ट्यूब न्यूज चैनल हैं। इनमें दुनिया मेरे आगे, गुलाम नबी मदनी, हकीकत टीवी, हकीकत टीवी 2.0 शामिल हैं। ये सभी नेटवर्क झूठी खबरें फैलाकर भारतीयों को गुमराह करने के मकसद से चलाए जा रहे थे।

इनके अलावा 3 ट्विटर अकाउंट, एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को भी ब्लॉक किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ये चैनल भारत की सिक्योरिटी, पब्लिक ऑर्डर और फॉरेन रिलेशन के बारे में दुष्प्रचार कर रहे थे। बता दें कि आईटी नियम, 2021 के तहत पहली बार 18 भारतीय यूट्यूब समाचार चैनल ब्लॉक किए गए हैं।

फरवरी में 35 यूट्यूब चैनल हुए थे ब्लॉक

इससे पहले फरवरी में सरकार ने 35 यूट्यूब चैनल, 2 ट्विटर अकाउंट, 2 इंस्टाग्राम अकाउंट, 2 वेबसाइट और एक फेसबुक अकाउंट ब्लॉक कर दिया था। यह कार्रवाई IT नियमों के तहत की गई है। ये सभी अकाउंट पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहे थे।

दिसंबर 2021 में 20 यूट्यूब चैनल किए थे ब्लॉक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पिछले साल दिसंबर में खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर 20 यूट्यूब चैनल और दो वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया था। वजह- वे भारत विरोधी दुष्प्रचार और फर्जी खबरें फैला रहे थे। मंत्रालय ने दिसंबर में एक बयान में कहा था कि ये यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पाकिस्तान से चलने वाले नेटवर्क से जुड़े हैं।

जिन वेबसाइट्स और चैनल्स पर रोक लगाई गई थी, वे भारत में कश्मीर, भारतीय सेना, जनरल बिपिन रावत, राम मंदिर और अल्पसंख्यक समुदायों के विषय में झूठी खबरें चला रहे थे। केंद्र सरकार ने कार्रवाई के साथ ही इन चैनल्स की एक लिस्ट भी जारी की थी।

ब्लॉक किए गए भारत के 18 यूट्यूब चैनलों की लिस्ट

1. ARP News
2. AOP News
3. LDC News
4. SarkariBabu
5. SS ZONE Hindi
6. Smart News
7. News23Hindi
8. Online Khabar
9. DP news
10. PKB News
11. KisanTak
12. Borana News
13. Sarkari News Update
14. Bharat Mausam
15. RJ ZONE 6
16. Exam Report
17. Digi Gurukul
17. दिनभरकीखबरें

दिल्ली-एनसीआर में बादल छाये रहने पर गर्मी से राहत की उम्मीदः मौसम विभाग

नयी दिल्ली। उत्तर भारत में तेज गर्मी के बीच आसमान में बादल छाये रहने के कारण दिल्ली-एनसीआर को चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू चलने के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार दिन में अधिकतम तापमान करीब 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सफदरजंग वेधशाला ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 38.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में लू चलने का अनुमान है।

और रुलाएगी महंगाई

पेट्रोल-डीजल 15 दिन में 9 रुपए से ज्यादा महंगा हुआ

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टर्स और व्यापारी से लेकर आम लोग तक सभी प्रभावित हुए हैं। जिस रफ्तार से ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं उसका सीधा असर बाजार पर हो रहा है। पिछले 15 दिन में ही पेट्रोल और डीजल 9 रुपए 16 पैसे महंगे हो गए हैं। बाजार मामलों से जुड़े जानकार और व्यापारी कहते हैं कि इसका सीधा असर माल भाड़े पर पड़ेगा और इसमें 16त्न तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

मध्य प्रदेश ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन भोपाल के अध्यक्ष जसवीर सिंह कहते हैं कि पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से मालभाड़ा 16 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। अगर ऐसा होता है तो इससे आम आदमी पर भी महंगाई का बोझ पड़ेगा।

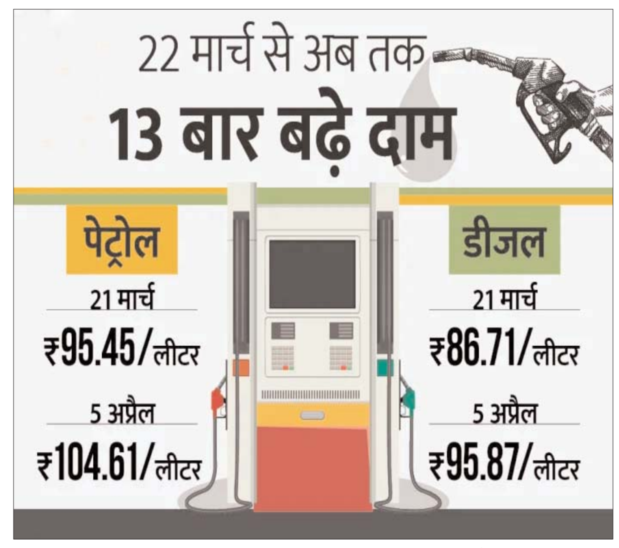

डीजल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर में

भारत में डीजल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर में होती है। दाम बढ़ने पर यही दोनों सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। डीजल के दाम बढ़ने से खेती से लेकर उसे मंडी तक लाना महंगा हो गया है। इससे आम आदमी और किसान दोनों का बजट बिगड़ सकता है।

आम आदमी पर सीधा असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार अगर ट्रांसपोर्ट 16 प्रतिशत महंगा होता है तो जिस वस्तु के दाम भी कम से कम ट्रासपोर्ट की लागत के हिसाब से बढ़ जाएंगे। जैसे मान लीजिए 1 क्विंटल गेहूं को मंडी तक लाने के लिए पहले 100 रुपए लगते थे, लेकिन ट्रांसपोर्ट महंगा होने से ये 116 रुपए हो जाएंगे। ये बढ़े हुए 16 रुपए आम आदमी से ही वसूले जाएंगे। इससे लोगों को गेहूं की कीमत 1.5 प्रतिशत बढ़ जाएगी। इसी तरह का असर अन्य सामानों पर भी देखा जाएगा।

तेल के दाम बढ़ने से यात्री गाड़ियों का किराया भी बढ़ सकता है

रिटायर्ड ट्रांसपोर्ट कमिश्नर शैलेंद्र श्रीवास्तव कहते हैं कि ग्लोबल इम्पैक्ट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार पर असर हुआ है। इसके चलते ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से मोटर व्हीकल के मामले में लगेज के रेट बढ़ेंगे। यात्री गाड़ियों में किराया भी बढ़ सकता है, लेकिन इसके लिए सरकार की अनुमति जरूरी होती है।

सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटा क्यों नहीं देती?

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 103.81 रुपए है। इसमें 27.90 रुपये केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी और 17 रुपए राज्य सरकार वैट वसूलती है। इसी तरह डीजल के दाम 95.07 रुपए प्रति लीटर हैं जिसमें 21.80 रुपए केंद्र और 14 रुपए राज्य सरकार के हिस्से जाता है। देश के अन्य हिस्सों में भी पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला टैक्स 50-60त्न तक है। पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर सरकार अपना खजाना भर रही है।

3 साल में पेट्रोल-डीजल से केंद्र सरकार की 8 लाख करोड़ की कमाई

जहां एक ओर कोरोना महामारी के कारण आम आदमी की आमदनी घटी है तो वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर खूब कमाई की है।

बीते 3 सालों में जहां एक ओर प्रति व्यक्ति सालाना आय 1.26 लाख रुपए से घटकर 99,155 रुपए सालाना पर आ गई है, वहीं सरकार की एक्साइज ड्यूटी से कमाई 2,10,282 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,71,908 करोड़ पर पहुंच गई है।

यानी बीते 3 साल में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स (एक्साइज ड्यूटी) लगाकर सरकार ने 8 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई की है।

देश में कोरोना की दैनिक पॉजिटिविटी दर 0.17 प्रतिशत हुयी

देश में कोरोना रोगियों की संख्या 12 हजार 59 रह गयी है

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के दैनिक पॉजिटिविटी दर गिरकर 0.17 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि कल सुबह सात बजे तक 184 करोड़ 87 लाख 33 हजार 81 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 795 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 12 हजार 59 रह गयी है।

यह संक्रमित मामलों का 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.17 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में एक हजार 280 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 96 हजार 369 लोग कोविड से

उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 66 हजार 332 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 79 करोड़ 15 लाख 46 हजार 38 कोविड परीक्षण किए हैं। इस दौरान देश में इस जानेलवा विषाणु से 50 लोगों की मौत हुयी। इसके साथ मृतकों की कुल आंकड़ा 5,21,416 हो गया। देश में इस समय कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21 प्रतिशत है। केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 178 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 3339 रह गई। वहीं, 378 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6462529 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 68130 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले 15 घटकर 1542 हो गए हैं। इस दौरान 52 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904101 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40055 है।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में 27 सक्रिय मामले घटने से इनकी संख्या 951 हो गयी है। इस दौरान राज्य में 202 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 223325 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 687 पर पहुंच गया है।

महाराष्ट्र में इस दौरान 55 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इनकी संख्या 866 हो गई है। इस दौरान राज्य में 107 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7725791 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 147789 हो गया है। पश्चिम बंगाल में इस दौरान सक्रिय मामले 30 घटकर 554 रह गए हैं तथा मृतकों का आंकड़ा 21199 पर स्थिर है। राज्य में 1995752 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

पर्वतीय राज्य उत्तराखंड में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या छह घटकर 483 हो गई है और राज्य में अभी तक 429095 लोग इस जानलेवा वायरस से निजात पा चुके हैं। मृतकों का आंकड़ा 7692 पर स्थिर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दौरान कोरोना के सक्रिय मामले 14 घटकर 468 हो गए हैं, जबकि 95 और मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1838760 तक पहुंच गई है। राजधानी में मृतकों का आंकड़ा 26154 है।

तेलंगाना में सक्रिय मामले 19 घटकर 271 रह गए हैं, जबकि मृतकों का आंकड़ा 4111 पर स्थिर है। इस महामारी से 786963 लोग निजात पा चुके हैं।

समाज के सभी वर्गों से संवाद करें भाजपा सांसद : पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों को समाज के सभी वर्गों के साथ संवाद करने का निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, असंगठित क्षेत्र के मजदूर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के लोगों के बीच जाकर उनके साथ विचार साझा करें ।

अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान श्री मोदी ने पार्टी सांसदों को

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और उनका फीडबैक लेने को भी कहा।

देश में बढ़ते जल संकट को देखते हुए एक बार फिर उन्होंने सांसदों को अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव के तहत 75 तालाबों का निर्माण करने को भी कहा।

संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि भाजपा देश भर में सामाजिक समरसता पखवाड़ा अभियान चलाने जा रही है।

पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री छह अप्रैल को देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आभासी माध्यम से संबोधित करेंगे। इसके साथ ही पार्टी सात अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक अलग-अलग दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर अभियान चलाएगी।

संपत्ति कुर्क — दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के परिवार और कंपनियों की 4.81 करोड़ की संपत्ति कुर्क

केजरीवाल सरकार में मंत्री पर ईडी की टेढ़ी नजर

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यह कार्रवाई सीबीआई की तरफ से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) में दर्ज एफआईआर के आधार पर हुई है। इसमें उनके परिवार और फर्मों से संबंधित 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। सीबीआई ने अगस्त 2017 में केस दर्ज किया था। बाद में ये केस ईडी को ट्रांसफर कर दिया गया था।

बताया जा रहा है कि कुर्क की गई

4.81 करोड़ की अचल संपत्तियां अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जेजे आइडियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, वैभव जैन की पत्नी स्वाति जैन, अजीत प्रसाद जैन की पत्नी सुशीला जैन और सुनील जैन की पत्नी इंदु जैन की हैं।

शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपए मिले

ईडी के मुताबिक जांच में पाया गया कि 2015-16 के दौरान सत्येंद्र जैन एक लोकसेवक थे, तो उनके द्वारा लाभकारी स्वामित्व वाली और नियंत्रित कंपनियों को हवाला के जरिये कोलकाता बेस्ड एंट्री ऑपरेटरों को नकद ट्रांसफर के बदले शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। ईडी की रिपोर्ट के मुताबिक इस रकम का इस्तेमाल जमीन की सीधी खरीद या दिल्ली और उसके आसपास कृषि भूमि की खरीद के लिए लिए गए कर्ज की अदायगी के लिए किया गया था।

केजरीवाल ने पहले ही जताई थी आशंका

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब चुनाव से पहले इस साल जनवरी में इस बात का अंदेशा जता दिया था कि उनके मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी हो सकती है। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार उनके खिलाफ दो बार छापेमारी कर चुकी है। उनका दावा है कि एजेंसी को कुछ हाथ नहीं लगा और वे ईडी की कार्रवाई से डरनेवाले नहीं हैं।

डॉ. ऋषि राज के साथ आया था नाम सामने

दिल्ली डेंटल काउंसलिंग के रजिस्ट्रार डॉ. ऋषि राज के घर पर पड़े सीबीआई छापे में सत्यद्र जैन और उनकी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज और दो करोड़ रुपए की बैंक डिपॉजिट स्लिप मिली थी। इससे पता चला था कि 2011 में जैन की कंपनियों के नाम पर दो करोड़ रुपए जमा कराए गए थे। इसके अलावा जैन के नाम पर दिल्ली के कराला गांव में 12 बीघा और 8 बीघा जमीन के बैनामा के साथ 14 बीघा जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी भी मिली थी।

शार्ट न्यूज

कश्मीर के निगीन झील में पीड़ितों से मिलने पहुंचे महबूबा, उमर

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में राजनेताओं ने मंगलवार को आग से क्षतिग्रस्त हाउसबोटों के मालिकों से मिलने के लिए निगीन झील का दौरा किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि श्रीनगर की निगीन झील में रविवार रात एक हाउस बोट में अचानक आग लग गई, जिसके बाद भीषण आग की चपेट में छह अन्य बोट भी आ गई जिससे करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हो गया। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती पीड़ित परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की। हाउस बोट के मालिकों ने श्री अब्दुल्ला को बताया कि सभी पर्यटकों को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया था लेकिन वे हादसे के दौरान अन्य हाउसबोटों को आग से दूर करने में असमर्थ रहे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पीड़ितों को तुरंत राहत पहुंचाने की मांग की। उन्होंने बताया कि एक मालिक पर्यटकों के एक वर्ग को बचाते समय आशिंक रूप से झुलस गया। राष्ट्रीय कांफ्रेंस के अध्यक्ष और सांसद फारूक अब्दुल्ला ने पर्यटक मंत्रालय से इस घटना से प्रभावित हाउसबोट के मालिकों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

आधुनिक कृषि से किसानों को कराएंगे रूबरू

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के साम्बा जिले में पल्ली पंचायत का दौरा करेंगे, जहां किसानों को ड्रोन के इस्तेमाल सहित किसानी की कई आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पल्ली गांव में 340 घरों को प्रॉपर्टी कार्ड और सौर ऊर्जा का तोहफा दिया जाएगा। इसी बीच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय पल्ली गांव को 20 दिन में सौर ऊर्जा से रोशन कर विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। इसके लिए 22 अप्रैल तक का लक्ष्य रखा गया है और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह इसकी निगरानी कर रहे हैं। सिंह ने मंगलवार को कहा, प्रधानमंत्री के दौरे से पहले पंचायत पल्ली जम्मू-कश्मीर का पहला गांव बन जाएगा जो पूरी तरह सौर ऊर्जा से रोशन होगा। सिंह ने कहा कि दिल्ली से आई सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की टीम लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पल्ली दौरे पर किसानों को कृषि क्षेत्र में आधुनिक प्रयोगों और नवरीतियों से परिचित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पल्ली गांव की तरह ही दूसरे गांवों में भी आधुनिक तकनीकों का फायदा उठाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। साथ ही हर पंचायत में ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए काम किया जा रहा है।

पारादीप बंदरगाह पर बनेगा विश्वस्तरीय सिग्नल स्टेशन

भुवनेश्वर। पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण(पीपीए) पर मेरीटाइम विजन 2030 के तहत अगले दो साल में एक विश्वस्तरीय सिग्नल स्टेशन बनाया जायेगा। पीपीए के अध्यक्ष पीएल हरनाध ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने पीपीए के समुद्री साइट कार्यालय के वेट बेसिन में राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह को संबोधित करने हुए आशा व्यक्त की कि उचित मानदंड को ध्यान में रखते हुए पीपीए वैश्विक बंदरगाह बनने की अपनी संभावनाओं को जारी रखेगा। उन्होंने पीपीए के कर्मचारियों का उत्साह तथा नवाचार को देखते हुए पीपीए को देश का नंबर एक बंदरगाह बनाने के लिए सभी से मिशन मोड पर काम करने की अपील की। पीपीए के अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि 2030 तक पीपीए के क्षमता में वृद्धि तथा यांत्रिकीकरण के साथ इसकी मूल्यांकन क्षमता 50 करोड़ होगी तथा इस क्षेत्र में हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हरित पहल के तहत एलएनजी हरित भराव स्टेशन को बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि 2025 तक इसके बाहरी क्षेत्र में दस लाख पेड़ लगाये जायेंगे, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर कैप्टन राम प्रसाद यादव, मास्टर, एमवी डेकन प्राइड को भारतीय समुद्री उद्योग में उनकी सेवा और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

केरल में निर्माणाधीन इमारत की बीम गिरने से दो की मौत

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले में मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत में कंक्रीट के बीम गिरने से मकान मालिक सहित दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान पल्लीपोयिल निवासी मकान मालिक के एम कृष्णन (59) और कक्कड़ के पास पुल्लुप्पी के रहने वाले एक मजदूर लालू (39) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि यह हादसा दोपहर करीब 1.30 बजे चक्कराक्कल के पास चत्तुकुलम में हुआ, जब घर की दूसरी मंजिल पर लगा कंक्रीट का बीम गिर गया। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

तेंलगाना के साथ भेदभाव नहीं करती केंद्र सरकार : राव

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पी मुरलीधर राव ने कहा है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की राजग सरकार ने तेलंगाना से कोई भेदभाव नहीं किया है। तेलंगाना भाजपा राज्य मुख्यालय में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए श्री राव ने धान खरीद के मुद्दे पर झूठ फैलाने के आरोप में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सहित टीआरएस नेताओं की आलोचना की। राव ने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार दिल्ली बनाम तेलंगाना के नारे को साजिश के तहत लाने और राज्य के लोगों की भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में सरकार बदलने का कारण ड्रग माफिया है और अगर पार्टी के विधायक ड्रग्स के इस्तेमाल में शामिल थे, तो उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

श्री राम के नाम पर अशांति पैदा न करें

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व जनतादल (एस) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को कुछ संगठनों पर प्रहार करते हुए कहा कि श्री राम के नाम पर अशांति पैदा नही की जानी चाहिए। कुमारस्वामी आज पार्टी के प्रदेश कार्यालय जेपी भवन में पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम जयंती समारोह के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन संगठनोंका काम तो रावण जैसा है जिसके लिए इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सदभावना बिगाड़कर किसी का भला नहीं होने वाला है इसलिए ऐसे लोगों से सतर्क रहने की भी जरूरत है।

किशोरी को छेड़ने, मारपीट करने के आरोपी को तीन साल की कैद

जींद। हरियाणा में जींद की एक निचली अदालत ने एक किशोरी से छेड़छाड़ करने व प्रतिरोध करने पर उसे मारने-पीटने व धमकाने के आरोप में दोषी करार देते हुए एक युवक को आज तीन साल के कारावास व पंद्रह हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर कौर की अदालत ने इसी के साथ जिला विधि सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार अक्तूबर 2020 में इस घटना की शिकायत की गई थी। शिकायत के अनुसार आरोपी हरमीत ने 15 वर्षीय किशोरी को घटना के बारे में किसी को बताने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी थी।

लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी सेवा के लिए ऑनलाइन आवेदन

अजमेर। राजस्थान लोकसेवा आयोग ने आज माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान शिक्षा सेवा नियम 2021 एवं टीपीएस क्षेत्र हेतु राजस्थान अनुसूचित क्षेत्र अधीनस्थ, लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी सेवा के अंतर्गत वरिष्ठ अध्यापक के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। अजमेर मुख्यालय पर आयोग सचिव हरजीराम अटल ने बताया कि प्राप्त आवेदनों के बाद चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आयोग द्वारा उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन में स्केलिंग.सामान्यीकरण पद्धति को अपनाया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 11 अप्रैल से 10 मई के बीच आवेदन कर सकेंगे।

नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद देश की एक इंच जमीन नहीं हड़पी गई : किरेन रिजिजू

मंत्री ने कहा कि एक सीमावर्ती राज्य होते हुए भी अरुणाचल प्रदेश 100 प्रतिशत सुरक्षित

नई दिल्ली। मंगलवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया है कि नरेंद्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की एक इंच जमीन नहीं हड़पी गई है। सदन में यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए बसपा के एक सांसद की टिप्पणी को लेकर उन्होंने यह बात कही। बसपा सांसद के आरोप पर पलटवार करते हुए रिजिजू ने यह बयान दिया और उन्होंने बसपा सांसद की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने यह बात तब कही जब जौनपुर से

बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय क्षेत्र चीन को धीरे-धीरे दिया जा रहा था। मंत्री ने कहा कि एक सीमावर्ती राज्य होते हुए भी अरुणाचल प्रदेश 100 प्रतिशत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि एक विदेशी वेबसाइट से तस्वीरें लेते हुए यह आरोप लगाया गया कि चीन ने अरुणाचल के अंदर एक गांव बसा लिया है जो झूठा है, क्योंकि उस गांव पर 1959 में चीन ने कब्जा कर लिया था।

रिजिजू बोले- मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर कोई जानता है कि चीन और पाकिस्तान के नियंत्रण में हमारा दावा किया गया क्षेत्र पहले के समय का है।

मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता। लेकिन जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, एक इंच भी जमीन नहीं दी गई है।

पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी के बयान का जिक्र किया

रिजिजू ने यह भी कहा कि 2013 में जब एके एंटनी रक्षा मंत्री थे तब उन्होंने सदन में कहा था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं करने की भारत की नीति गलत थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार उस नीति को बदल रही है और हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। मेरा राज्य अरुणाचल प्रदेश भी शत-प्रतिशत सुरक्षित है।

करौली में कर्फ्यू की अवधि सात अप्रेल तक बढ़ाया

भरतपुर। राजस्थान के करौली में चार दिन पहले बाइक रैली पर पथराव के बादआगजनी और उपद्रव को देखते लगाया गया कर्फ्यू सात अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। इंटरनेट पर भी मंगलवार रात तक प्रतिबंध जारी रहेगा। इस बीच पुलिस ने निर्दलीय पार्षद मतलूब अहमद को मामले में आरोपी बनाया है। बताया गया कि लगातार चौथे दिन जारी रहे कर्फ्यू में आज सुबह दूध विक्रेताओं को कुछ ढील भी दी गई। रसद विभाग ने आज सुबह वाहनों से दूध, सब्जी की सप्लाई कराई। कुछ स्थानों पर सब्जी विक्रेताओं से लोग सब्जी भी खरीदते नजर आए। इस दौरान शहर के 15 स्थानों पर पुलिस बल तैनात है और मोबाइल पार्टियां लगातार गश्त कर रही हैं। नगर परिषद के दस्ते ने भी फूटाकोट क्षेत्र में पहुंच क्षतिग्रस्त भवनों का मौका नक्शा तैयार कर उन्हें ध्वस्त करने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दो अप्रैल को आयोजित बाइक रैली पर पथराव मामले में पुलिस ने करौली वार्ड नंबर 35 से निर्दलीय पार्षद मतलूब अहमद को आरोपी बनाया है।

जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया ने बताया कि पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश में जुटी है। पार्षद का नाम आरोपियों में शामिल होते ही क्षेत्र में राजनीति का दौर शुरू हो गया।

पुलिस ने अब तक 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को गिरफ्तार किए गए 13 लोगों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जो 2 दिन के पुलिस रिमांड पर हैं।

स्टालिन ने किया फुटवेयर विनिर्माण इकाई का शिलान्यास

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को विल्लुपरम में 500 करोड़ रुपये के निवेश वाली एक फुटवेयर विनिर्माण इकाई का शिलान्यास किया। यह इकाई चेय्यार एसईजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिडेट द्वारा पेलाकुप्पम के सिपकोट इंडस्ट्रियल पार्क के पास स्थापित की गई है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस इकाई में 6,000 लोगों को रोजगार दिया जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि और कंपनी के भारत प्रमुख पीटर निकोलसन ने 300 करोड़ रुपये की लागत से एक एसईजेड स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और इसका उद्घाटन 2009 में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री स्टालिन ने किया था। इसने 5,000 लोगों को नौकरी की पेशकश की थी।

इसके बाद कंपनी ने 2015 में कृष्णागिरी जिले के बरगुर में 360 करोड़ रुपये की लागत से अपना दूसरा एसईजेड खोला और 10,000 लोगों को रोजगार दिया।

पिछले साल द्रमुक सरकार के सत्ता में लौटने के बाद, कंपनी ने 1,060 करोड़ रुपये की लागत से अपना संयंत्र स्थापित करने और 13,000 लोगों को प्रत्यक्ष नौकरियों की पेशकश के लिए तमिलनाडु इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव में 20 जुलाई, 2021 को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

करौली सांप्रदायिक हिंसा में राजस्थान पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल, उपद्रवियों को मौके से भगाने का आरोप

करौली। राजस्थान के करौली जिले में नवसंवत्सर के दिन हुई हिंसा में पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के दिन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कुछ लोग भीड़ से कहते सुनाई दे रहे हैं कि काम हो गया अब भागो। आरोप है कि ये आवाज किसी और की नहीं बल्कि करौली पुलिस की है जो उपद्रवियों को जल्दी-जल्दी भगाने की बात कह रही है। अंग्रेजी न्यूज चैनल टाइम्स नाऊ ने दावा किया है कि उपद्रवियों को भगाने वाला कोई और नहीं बल्कि करौली पुलिस है। इस बाबत एक वीडियो भी जारी किया गया है जिसमें आवाज आ रही है भागो, भागो, जल्दी भागो.. काम हो गया।

इस वीडियो के जारी होने के बाद बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार उपद्रवियों के साथ मिली हुई है। हिंसा के दौरान पुलिस ना सिर्फ मूकदर्शक बनी हुई थी बल्कि उन्होंने उपद्रवियों को भगाने की भी कोशिश की। इस मामले में कांग्रेस का भी बयान आया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने अशोक गहलोत सरकार पर लग रहे आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करना चाहती है क्योंकि राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये हिंसा बीजेपी द्वारा करवाई गई है। दूसरी तरफ करौली में स्थिति अब भी सामान्य नहीं है। 2 अप्रैल के बाद से पूरे इलाके में धारा 144 लगी हुई है। 2 अप्रैल को हिंदू नववर्ष के मौके पर करौली में बाइक रैली निकाली जा रही थी जिसपर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद हिंसा भड़क गई जिसमें कई दुकानों और वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

हिजाब, हलाल और लाउडस्पीकर के बाद कर्नाटक में फल दुकानों को लेकर विवाद

बेंगलुरु। हिजाब, हलाल और लाउडस्पीकर के बाद कर्नाटक में एक और विवाद ने जन्म ले लिया है। राज्य के कुछ हिंदुवादी संगठनों ने हिंदुओं से अपील की है कि वो फल बेचने के व्यापार में उतरें क्योंकि इस व्यापार पर मुसलमानों ने कब्जा जमा रखा है। हिंदु जनजागृति समिति ने मंगलवार को कहा कि फल बेचने वाले ज्यादातर मुसलमान हैं और उन्होंने पूरी मार्केट पर कब्जा जमाया हुआ है। ये लोग कई पीढ़ियों से फल बेच रहे हैं इसलिए नए फल व्यापारियों के लिए अपना व्यापार चलाने में दिक्कत हो रही है। समिति ने आगे कहा कि हम नहीं कह रहे कि आप किससे सामान खरीदें। आपका जिससे मन करता है उससे सामान खरीदें, हम बस ये चाहते हैं कि फल के व्यापार में हिंदु भी शामिल हों। समिति ने कहा कि हम सरकार से भी गुजारिश करते हैं कि वो इस काम में गरीब फल व्यापारियों की मदद करे।

इससे पहले बीजेपी के महासचिव सीटी रवि ने हलाल मीट को लेकर दिए बयान से विवाद खड़ा कर दिया था। उन्होंने कहा था हलाल मीट एक तरह का आर्थिक जिहाद है। उन्होंने कहा था हलाल मीट बेचने का पूरा कॉन्सेप्ट ही यही है कि मुसलमान ही आपस में व्यापार कर सकें। हलाल मीट बेचने वाला भी मुसलमान और खाने वाला भी मुसलमान।

राज्य के कुछ हिंदुवादी संगठनों ने मीट की दुकानों पर लगे हलाल मीट के सर्टिफिकेट को हटाना भी शुरू कर दिया है।

हिंदु जागृति समिति, श्रीराम सेना और बजरंग दल जैसे संगठनों ने हिंदुओं से अपील की है कि वो सिर्फ और सिर्फ झटके का मीट खाएं जो हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार है। इसके अलावा कई संगठन मस्जिद की मीनार पर लगे लाउडस्पीकर हटाने की मांग कर रहे हैं। इस बारे में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसावराज बोमेई ने कहा कि अजान का मसला जबरदस्ती नहीं बल्कि सबसे बातचीत करके सुलझाया जाएगा।

हरियाणा विस चंडीगढ़ को पंजाब को सौंपने में बाधा डाल रही : शिअद

एजेंसी

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने मंगलवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा विधानसभा प्रस्ताव पारित कर चंडीगढ़ को पंजाब को सौंपने में बाधा डाल रही है जबकि उसे अपने लिए अलग राजधानी की मांग करनी चाहिए।

शिअद के वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने हरियाणा विधानसभा में आज चंडीगढ़, सतलुज-यमुना जोड़ नहर और पंजाब के हिंदी भाषी क्षेत्रों के स्थानांतरण पर पारित प्रस्तावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी मुद्दे पहले ही सुलझाये जा चुके हैं और इन मुद्दों को उछालने से दोनों प्रदेशों में दुर्भावना को ही जन्म देगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा को जिम्मेवारी से काम लेना चाहिए और पंजाब से हुए अन्याय पर बात करनी चाहिए तथा नई राजधानी की स्थापना के लिए केंद्र से निधि की मांग करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह मान्य सिद्धांत है कि अभिभावक राज्य को ही राजधानी मिलनी चाहिए। वर्ष 1966 में राज्यों के पुनर्गठन के वक्त भी यह स्वीकार किया गया था और चंडीगढ़ को पंजाब व हरियाणा, दोनों प्रदेशों की राजधानी बनाना वक्ती व्यवस्था थी। यही 1986 में राजीव-लोंगोवाल संधि में भी दोहराया गया था और संसद में उस पर मुहर लगी थी तो इस मुद्दे पर कहीं कोई असामंजस्य नहीं है।

डॉ. चीमा ने कहा कि इसी तरह एसवाईएल के मुद्दे पर पंजाब के साथ 1955 में भेदभाव किया गया था और पंजाब के पुनर्गठन के समय नदियों के पानी के वितरण के बारे में प्रावधान डाला गया था जिसे 1979 में शिअद सरकार ने चुनौती दी थी हालांकि 1981 में कांग्रेस सरकार के बनने पर केंद्र के दबाव में एसआईएल के निर्माण पर सहमति दर्शाई गई थी।

फागू चौहान और नीतीश ने बाबू जगजीवन राम को दी श्रद्धांजलि

पटना। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को आज उनकी जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में राज्यपाल श्री चौहान, मुख्यमंत्री श्री कुमार ने मंगलवार को यहां सर्कुलर रोड, अणे मार्ग एवं कौटिल्य मार्ग के चौराहे पर अवस्थित स्व. जगजीवन राम की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन, कीर्तन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

स्टालिन ने किया पेरियार समतुवपुरम का उद्घाटन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने समाज सुधारक पेरियार के नाम पर निर्मित पेरियार समतुवपुरम (समानता आवास) का उद्घाटन किया और कहा कि पूरे देश को एक समतुवपुरम बनना चाहिए ताकि जाति और धर्म के कारण उत्पन्न सभी बाधाओं को खत्म किया जा सके।

स्टालिन ने कोझुवारी में पेरियार समतुवपुरम का उद्घाटन करने और विल्लुपुरम जिले के वनूर के पास ओझंथियापट्ट्र में नई कल्याणकारी परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद जनता को संबोधित करते हुए कहा कि समतुवपुरम की अवधारणा की कल्पना द्रमुक के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने 1997 में की थी।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का समतुवपुरम मॉडल पूरे देश के लिए एक उदाहरण होगा।

तमिलनाडु सरकार सभी के लिए समान विकास और समान अवसर मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। देश को समतुवपुरम में तब्दील करने की जरूरत पर जोर डालते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु और उसका द्रविड़ मॉडल दिखाएगा कि इसे किस तरह से हासिल किया जा सकता है। तमिलनाडु के समतुवपुरम मॉडल को देश भर के लिए अनुकरणीय बनाने के वास्ते सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजना पूरे राज्य में 298 समतुवपुरम स्थापित करने की है और इसके लिए फंड भी आवंटित कर दिया गया है। अन्नाद्रमुक के शासन ने न केवल इस योजना को छोड़ दिया, बल्कि मौजूदा योजनाओं को बनाए रखने में भी विफल रही।

स्टालिन ने कहा, कलैग्नार का पुत्र होने के नाते मैंने इस जिले में समतुवपुरम का उद्घाटन किया है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक शासन के पिछले 10 वर्षों के दौरान तमिलनाडु अंधकार के दौर में रहा।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 24 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और 10,722 लाभार्थियों को 42.70 करोड़ रुपये की कल्याण सहायता वितरित की।

आप का पंजाब में अभी शैशवकाल,करते हैं चंडीगढ की बात: विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) अभी शैशव अवस्था में है,अभी उसके दांत तक नहीं टूटे और सरकार बनाकर चंडीगढ की बात करते हैं ।

विज ने कहा कि पंजाब सरकार ने चंडीगढ़ को लेकर जो प्रस्ताव पास किया वो राजनीतिक प्रस्ताव है। चण्डीगढ हमारा है । जब तक हमें एसवाईएल का पानी नहीं मिलता, हिन्दी भाषी क्षेत्र नहीं मिलते तब तक हम अपनी मांग पर डटे रहेंगे। श्री विज आज यहां विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री द्वारा रखे प्रस्ताव पर बोल रहे थे ।उन्होंने कहा कि वह इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं।

विज ने कहा कि पंजाब सरकार जनती है कि उसने रियायतें व वायदा करके सत्ता हथियाई है और वो वायदे

पूरे नहीं कर सकते है। पंजाब के हालात श्रीलंका जैसे होने वाले हैं इसलिए अपने प्रदेश के लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस मुददे को छेड़ने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा,''हमें इसको समझना चाहिए कि चार दिन की पार्टी अभी शिशुकाल में हैं और जिनके अभी दूध के दांत भी टूटे नहीं, और बातें चण्डीगढ की करते हैं।''

गृह मंत्री ने हरियाणा वासियों के परिश्रम की प्रंशसा करते हुए कहा कि हरियाणा मेहनतकश लोगों का प्रदेश है और हरियाणा ने करके दिखाया है। जब 1966 में हरियाणा व पंजाब बना, तो हरियाणा की हालत ठीक नहीं थी लेकिन हरियाणा के लोगों ने हरियाणा को संवारा, तरक्की की बुलंदियों तक पहुंचाया और आज हालत ये है कि हम पंजाब से बडे नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा,''हमारी इकोनोमिक ग्रोथ पंजाब से ज्यादा है और आज हमने पंजाब से बडा बन कर दिखाया है।''

विज ने कहा कि सदन का यह स्वरूप देखकर आज मुझे अच्छा लग रहा है कि अपनी सब राजनीतिक विचारधाराओं को भुलाकर इस मुदे पर लडने के लिए साथ खडे हैं । जब तक इन सारे मुदों का एकल फैसला नहीं होगा, हरियाणा यहां डटा रहेगा और चण्डीगढ से हरियाणा (अंगद) का पैर लगा रखा है और हरियाणा (हमारा) के पैर को कोई उखाड नहीं सकता।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहा कि चण्डीगढ को लेकर पंजाब का रुख चिंता का विषय है। पंजाब द्वारा पास किए गए प्रस्ताव के कारण हरियाणा की भावना को ठेस पहुंची है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1980 में 91 किलोमीटर तक एस.वाई.एल नहर बन गई थी और 90 प्रतिशत तक इसका काम पंजाब में पूरा हो गया था परंतु पंजाब के चुने हुये जनप्रतिनिधियों ने हमेशा सिस्टम को चैलेंज किया है। हमें 3.5 एमएएफ पानी देने का बात हुई है और भाखड़ा से जो पानी मिल रहा है उसमें भी लगातार कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पानी का संकट भी आ सकता है।

दलाल ने जोर देते हुए कहा कि हमें एस.वाई.एल का पानी ही नही बल्कि इस पानी को इतने दिन तक इस्तेमाल करने के लिए पंजाब से मुआवजा भी मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी लोगों को एकत्रित होकर इस लड़ाई को लड़ना चाहिए।

पप्पू यादव के खिलाफ तीन मामलों में आरोप तय

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित सांसदों और विधायकों के मामलों की सुनवाई के लिए गठित एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ लंबित तीन मामलों में आज आरोप तय कर दिया।

प्रभारी विशेष अवर न्यायाधीश आदि देव ने खुली अदालत में श्री यादव को तीनों मामलों में लगाए गए आरोपों को पढ़कर सुनाया, जिसे सुनने के बाद श्री यादव ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों से इनकार किया। इसके बाद अदालत ने श्री यादव के खिलाफ पहले मामले में भारतीय दंड विधान की धारा 144, 147, 149, 353, 425 और 435 के तहत, दूसरे मामले में भारतीय दंड विधान की धारा 147, 337, 353 तथा रेलवे एक्ट की धारा 150,174ए एवं तीसरे मामले में भारतीय दंड विधान की धारा 145, 146, 147 तथा रेलवे एक्ट की धारा 174ए के तहत आरोपों का गठन किया। अदालत ने तीनों मामलों में अभियोजन को अपने गवाह पेश करने के लिए 19 अप्रैल 2022 की अगली तिथि निश्चित की है।

पहला मामला नाजायज मजमा बनाकर सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं सरकारी वाहन में आग लगा देने का है।

इसके लिए 18 दिसंबर 2000 को गर्दनीबाग थाना कांड संख्या 766/2000 के रूप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दूसरा मामला पटना जंक्शन पर जबरदस्ती रेल आवागमन अवरुद्ध कर देना एवं रेल पटरी पर स्लीपर रखने एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपों का है। इसके लिए 13 दिसंबर 2000 को पटना रेल थाना कांड संख्या 363 /2000 दर्ज किया गया था।

शार्ट न्यूज

सीएम आवास के बाहर तोड़फोड़ के मामले में गिरफ्तार आठ लोगों की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर हिंसक प्रदर्शन और तोड़फोड़ करने के मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आठ लोगों की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवीन कश्यप ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों का जरा भी सम्मान नहीं किया, जिनमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। अदालत ने चंद्र कांत भारद्वाज, नवीन कुमार, नीरज दीक्षित, सनी, जितेंद्र सिंह बिष्ट, प्रदीप कुमार तिवारी, राजू कुमार सिंह और बबलू कुमार को राहत देने से इनकार कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि किसी राजनीतिक दल से जुड़े लोगों को इकट्ठा होने और विरोध करने का मौलिक अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल करने की कुछ सीमाएं होती हैं और अनियंत्रित तरीके से इसका उपयोग नहीं किया जा सकता। खबरों के अनुसार, 30 मार्च को केजरीवाल के आवास के बाहर के दृश्यों में, प्रदर्शनकारियों को पुलिस सुरक्षा घेरे में लापरवाही से घूमते और बूम बैरियर व सीसीटीवी कैमरों को तोड़ते हुए देखा गया था।

थाना सेक्टर 58 पुलिस ने दुष्कर्म के अभियोग में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सैक्टर-58 पुलिस ने मंगलवार को वांछित अभियुक्त सतबीर पुत्र तेजपाल निवासी ग्राम वाजीदपुर थाना सैक्टर-63 गौतमबुद्धनगर को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया।उपरोक्त अभियुक्त थाना सैक्टर 58 पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 1570/14 धारा 366, 328, 376डी भादवि व 3(1)12 एससी/एसटी एक्ट के तहत विगत वर्षों से फरार चल रहा था। अभियुक्त द्वारा 27 सितम्बर 2014 को वादिया की बहन को भगा कर ले गया था और उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। अभियुक्त सतवीर को इससे पूर्व में 16 मार्च 2015 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दनकौर पुलिस ने तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार, कब्जे मोटरसाइकिल, अवैध असलहा, मोबाइल, लैपटॉप, एलईडी बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर पुलिस ने सोमवार को तीन शातिर चोरों राकेश पुत्र ओमप्रकाश निवासी मुरारीनगर थाना खुर्जानगर जनपद बुलन्दशहर,संदीप पुत्र भीमसेन निवासी ग्राम नेहरूपुर थाना खुर्जानगर जनपद बुलन्दशहर,जावेद पुत्र कदीर मलिक निवासी मौहल्ला बुर्ज उस्मान सुभाष रोड खुर्जा बुलन्दशहर को खैरली नहर के पास से चैकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल,एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा, तीन मोबाइल फोन, तीन एलईडी टीवी, तीन आधार कार्ड, एक लैपटॉप सोनी कम्पनी और 1800 रूपये नगद बरामद किए हैं।अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जेवर पुलिस ने बिना चिकित्सा पद्धति अधिपत्र के उपचार करने वाले दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने मंगलवार को बिना चिकित्सा पद्धति अधिपत्र के उपचार करने वाले दो वांछित अभियुक्तों कैलाश पुत्र ओमप्रकाश उर्फ ओमा निवासी मौहल्ला दाऊ जी होली चौक कस्बा व थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर, राजेन्द्र सिंह पुत्र कुतीराम निवासी ग्राम लालवा थाना पलवल सदर जिला पलवल हरियाणा को खुर्जा अण्डरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया।उपरोक्त अभियुक्तगण थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 91/2022 धारा 304 भादवि धारा 15(2),15(3) इण्डियन मेडिकल काउंसिल एक्ट 1956 के तहत वांछित चल रहे थे।गौरतलब है कि अभियुक्तों द्वारा 31 मार्च 2022 को वादी की बहन को बुखार के दौरान बिना चिकित्सा पद्धति अधिपत्र के उपचार किया गया था। अभियुक्तों द्वारा दिए गये उपचार से वादी की बहन की मृत्यु हो गयी थी। जिसके सम्बन्ध में थाना जेवर पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था।जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस ने लूट करने वाले वांछित अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सुरजपुर पुलिस ने सोमवार को लूट करने वाले अभियुक्त सुमित भाटी पुत्र विनोद उर्फपप्पू निवासी ग्राम साकीपुर थाना सूरजपुर जनपद गौतमबुद्धनगर को साकीपुर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।उपरोक्त अभियुक्त थाना सुरजपुर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 158/2019 धारा 392/411 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।अभियुक्त द्वारा 26 फरवरी 2019 को अपने साथी योगेश्वर उर्फ योगी (पूर्व में गिरफ्तार) पुत्र रामशरण निवासी ग्राम साकीपुर थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर के साथ मिलकर कैलाशपुर रोड पर एक मोटर साईकिल सवार व्यक्ति से तमंचा से डरा धमकाकर 80,000 रूपये छीन लिये थे। अभियुक्त शातिर किस्म का लुटेरा है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर में आईएमसी के 20 प्रतिशत कोटे के तहत प्रवेश के लिए अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदन

ग्रेटर नोएडा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर गौतमबुद्धनगर प्रधानाचार्य एके निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर में सत्र अगस्त 2022 में आईएमसी के 20 प्रतिशत कोटे के तहत प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अंतिम तिथि दिनांक 12 अप्रैल 2022 तक आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि संस्थान में एक वर्षीय-कॉस्मेटोलॉजी, ड्रेस मेकिंग, फैशन डिजाईन एंड टेक्नोलॉजी, वेल्डर, प्लंबर, कोपा तथा दो वर्षीय- इलेक्ट्रीशियन पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन, आरएसी तकनीशियन, आईसीटीएसएम,पेंटर, ड्राफ्ट्समैन, मैकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय संचालित हैं।

एमिटी में 300 दिव्यांग एथलीट का स्वास्थ्य परीक्षण

नोएडा। सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत खेल एवं युवा मंत्रालय के स्पेशल ओलंपिक की ओर से दिव्यांग एथलीटों के लिए नेशनल हेल्थ फेस्ट फॉर दिव्यांगजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया। स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक दिव्यांग एथलीट की आखों, श्रवण, पैरों, स्वास्थ्य एवं पोषण की जांच की गई। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने खिलाड़ियों के मंगल जीवन की कामना करते उनका उत्साह बढ़ाया। टोक्यो पैरा ओलंपिक में देश के दिव्यांग खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये एथलीट भी विशेष ओलंपिक में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक जीतेंगे और देश का नाम पूरे विश्व में रोशन करेंगे। स्पेशल ओलंपिक भारत की ओर से पूनम मित्तल ने कहा कि विशेष एथलीटों को आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने जारी की डीयू की एडमिशन पॉलिसी

सीयूईटी 2022 के तहत डीयू की दाखिला प्रक्रिया को लेकर दी विस्तृत जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने शैक्षणिक स्तर 2022-23 के लिए डीयू की एडमिशन पॉलिसी जारी की। इस अवसर पर उन्होने कहा कि यह एक लैंडमार्क पॉलिसी है। उन्होने बताया कि यूजीसी द्वारा भारत के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए जारी सांझा दाखिला टेस्ट सीयूईटी 2022 के तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय की दाखिला प्रक्रिया रहेगी। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान डीयू की दाखिला प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी मीडिया के साथ सांझा की। डीयू के अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश को लेकर जानकारी देते हुए उन्होने बताया कि स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और नेशनल कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड को छोड़कर, सभी अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों में दाखिला सीयूईटी 2022 के माध्यम से ही होगा। अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश चाहने वालों सहित सभी उम्मीदवारों को सीयूईटी 2022 में उपस्थित होना अनिवार्य है। सीयूईटी में प्राप्त अंकों के आधार पर ही पात्रता मानदंड तय होंगे।

कुलपति ने बताया कि उम्मीदवार सीयूईटी में केवल उन्हीं विषयों में उपस्थित हो सकेंगे जो विषय उन्होने बारहवीं कक्षा में लिए हों। योग्यता की गणना भी केवल उन्हीं विषयों के कंबिनेशन के आधार पर की जाएगी जिसमें कि उम्मीदवार ने सीयूई टेस्ट दिया होगा। स्ट्रीम बदलने पर किसी को कोई नुकसान नहीं होगा।

कुलपति ने बताया कि सीयूईटी 2022 के तीन खंड हैं जिनमें पहले खंड को 2 भागों बांटा गया है। इसके पहले भाग में 13 भाषाएँ और दूसरे भाग में 20 भाषाएँ शामिल हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को उपरोक्त 33 भाषाओं में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा के दूसरे खंड में 27 डोमेन स्पेसिफिक विषय हैं। तीसरा खंड सामान्य ज्ञान पार आधारित है जो केवल बीए प्रोग्राम के दाखिलों के लिए ही होगा। उन्होने बताया कि डीयू के अधिकांश प्रोग्रामों में दाखिले के लिए उम्मीदवार को दूसरे खंड से कम से कम 3 विषयों को चुनना होगा। दूसरे खंड को दो सूचियों बी1 और बी2 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उम्मीदवारों को उचित रूप से विषयों को चुनना होगा ताकि एक बार में एक से अधिक विषय का चयन न हो।

उन्होने बताया कि अधिकांश बीएससी प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए योग्यता की गणना भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित या जीव विज्ञान के आधार पर की जाएगी। सीयूईटी में किसी एक भाषा में कम से कम 30त्न अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। बैचलर ऑफ आर्ट्स में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को प्रवेश परीक्षा में खंड एक से किसी एक भाषा और दूसरे खंड से किन्हीं तीन विषयों में उपस्थित होना होगा। मेरिट की गणना उम्मीदवार द्वारा इन्हीं विषयों और भाषा में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर की जाएगी। कुलपति ने बताया कि बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को सीयूईटी के लिए गणित में टेस्ट देना अनिवार्य है। इसके लिए मेरिट की गणना चयन की गई भाषा, गणित और किन्हीं दो विषयों में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर की जाएगी। हालांकि उम्मीदवार अधिकतम 6 विषयों में सीयूईटी का टेस्ट दे सकता है, जिनमें से एक भाषा विषय होना जरूरी है। डीयू में दाखिले के लिए बेस्ट स्कोर को माना जाएगा।

प्रो. योगेश सिंह ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि स्पोर्ट्स और ईसीए प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को सीयूई टेस्ट के साथ प्रफ़ोर्मेंस-आधारित टेस्ट भी देना होगा। इसके लिए मेरिट सीयूईटी के संयुक्त स्कोर और प्रफ़ोर्मेंस-आधारित टेस्ट के आधार पर बनाई जाएगी। बीबीए, बीएमएस, बीबीई के लिए उम्मीदवारों को किसी एक भाषा, गणित और सीयूईटी के खंड 3 के अनुसार उपस्थित होना होगा। बीए, बी. वोक., बी. कॉम. (लोकप्रिय पास कोर्स) प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को एक भाषा के साथ एक विषय और सामान्य परीक्षा अथवा तीन विषयों में टेस्ट का विकल्प है। भाषाई प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार सीयूईटी में विशेष भाषा चुन सकते हैं या किसी अन्य भाषा में टेस्ट दे सकते हैं। हालांकि, भाषा विशेष में आने वालों को वरीयता दी जाएगी। उन्होने बताया कि टेस्ट के बाद केंद्रीकृत ई-काउंसलिंग की जाएगी।

उन्होने मीडिया के माध्यम से डीयू में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आह्वान किया कि सीयूईटी के लिए कोई विशेष सिलेब्स नहीं है, विद्यार्थी अपने 12वीं के सिलेबस की पुस्तकों का अध्ययन करें। इस अवसर पर उनके साथ डीयू कुलसचिव डॉ विकास गुप्ता, डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी, डीन स्टूडेंटस वेल्फेयर प्रो. पंकज अरोड़ा व डीयू पीआरओ अनूप लाठर मौजूद रहे।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होने बताया कि प्रत्येक काउन्सलिंग से पहले उम्मीदवार को अपनी वरीयता फिर से भरने का मौका दिया जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने बताया कि माइनोरिटी कालेजों में जिन 50 प्रतिशत सीटों को आरक्षित रखा गया है उनमें दाखिले के लिए 85 प्रतिशत स्कोर सीयूईटी से लिया जाएगा और बाकी 15 प्रतिशत कालेजों की तरफ से तय होगा। गैर आरक्षित 50 प्रतिशत सीटों पर दाखिले पूरी तरह से सीयूईटी के आधार पर ही होंगे।

डीयू में दाखिला प्रक्रिया की मुख्य विशेषताएं

कुलपति ने बताया कि डीयू में दाखिलों के लिए विस्तृत जानकारी एकल प्लेटफार्म पर वेबसाइट www.admission.uod.ac.in के माध्यम से उपलब्ध है। देश भर से विद्यार्थियों को आमंत्रित करने के लिए शानदार इन्फोर्मेशन बुलेटिन की व्यवस्था है। इस बुलेटिन का हिंदी में अनुवाद भी किया जाएगा। उम्मीदवार को सीयूईटी में उपस्थित होने के लिए उन्हें विषय चुनने में मदद करने हेतु वेबसाइट पर उदाहरणात्मक जानकारी अपलोड की गई है। उन्होने बताया कि डीयू से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उम्मीदवारों की मदद के लिए चैटबॉट भी काम करेंगे। प्रश्नपत्रों के चयन में उम्मीदवारों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क का प्रावधान होगा और उम्मीदवारों की मदद के लिए ओपन हाउस वेबिनार का आयोजन भी किया जाएगा।

एसओएल और एनसीडब्ल्यूईबी में प्रवेश

कुलपति ने बताया कि एसओएल और एनसीडब्ल्यूईबी में दाखिले मेरिट आधारित प्रवेश के माध्यम से होंगे। इससे विद्यार्थियों की उस बड़ी आबादी को लाभ होगा जो ग्रेजुएशन की पढ़ाई करना चाहते हैं। उन्होने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया 06 मई 2022 से शुरू होगी।

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश

प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि पीजी प्रोग्रामों में दाखिले पिछले वर्ष की तरह डीयूईटी के माध्यम से ही होंगे। इसके लिए उम्मीदवारों को डीयू रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन 6 अप्रैल से 15 मई, 2022 तक होंगे। डीयूईटी का आयोजन एनटीए द्वारा किया जाएगा। उन्होने बताया कि पिछले वर्ष की तरह ही डीयू के विद्यार्थियों के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं जबकि 50 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन डीयूईटी के माध्यम से होगा। कुलपति ने बताया कि परीक्षा केंद्र के रूप में 28 शहरों का चयन किया गया है; प्रत्येक राज्य में एक केंद्र होगा। पीजी प्रवेश के लिए प्रवेश की प्रक्रिया और पात्रता मानदंड पूर्व की भांति हैं। उन्होने बताया कि टेस्ट का आयोजन जुलाई के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है। पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिलों के लिए तारीखों और विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी।

नार्थ एवेन्यू में मनाया गया भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर नार्थ एवेन्यू में सेवा उत्सव के रूप में भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल के नेतृत्व में मनाया गया । मुख्य अतिथि सांसद रामदास तडस थे। अतिथियों ने भाजपा का ध्वज फहराया और केक काटकर बधाई दी। इसके बाद भाजपा के पितृ पुरुष श्यामाप्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पुष्प वर्षा की गई ।कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी का झंडा लेकर भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहे के नारे लगाया। कार्यकर्ता व पदाधिकारियों में स्थापना दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। मौके पर महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजू राठौर, उपाध्यक्ष रीता शर्मा, जिला मंत्री संतोष साहू, पूर्वांचल मोर्चा उपाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, प्रवक्ता अजय पांडे, बृज शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष रामसेवक साहू, मंजू साहू, पंकज तिवारी आदि मौजूद रहे। सांसद रामदास तडस ने कहा कि बीजेपी इतनी बड़ी राजनीतिक पार्टी यूं ही नहीं बनी है। कई शख्सियतों ने इसे फर्श से अर्श तक पहुंचाया है । लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने इसे सबसे ज्यादा ऊंचाई प्रदान की है ।अब राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा निरन्तर यह कार्य किया जा रहा है। पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष व अन्य सभी ने न केवल दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनाने का काम किया बल्कि पूर्वोत्तर तक में बीजेपी का झंडा लहरा दिया । जहां सत्ता के लिए कभी बीजेपी के नेता सोचते भी नहीं थे।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि आज भाजपा देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी हो चुकी है ।पार्टी के पास देश की लगभग 70 फीसदी आबादी का साथ है ।पार्टी की स्थापना को अब तक पूरे 42 साल हो चुके हैं ।1984 में दो सीटों वाली पार्टी आज पूर्ण बहुमत में है।

जेवर एयरपोर्ट के पास अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चला

जेवर। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही जेवर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों का जाल फैलने लगा है। यमुना प्राधिकरण ने इस पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहा है। मंगलवार को जेवर एयरपोर्ट के पास झाझर कस्बे में प्राधिकरण ने एक लाख वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी में बने मकान और दुकानों को ध्वस्त किया। जेवर एयरपोर्ट के पास मकान बनाने का सपना दिखाकर भोले भाले लोगों को अवैध कॉलोनी काट प्लॉट बेचे जा रहे हैं। इसकी शिकायत यीडा के पास लगातार पहुंच रही है। मंगलवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार यमुना विकास प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल झाझर कस्बे में अवैध निर्माण ध्वस्त करने पहुंच गया। दर्जनभर जेसीबी मशीन पुलिस बल के साथ बुलंदशहर रोड पर कस्बे की पुरानी पोखर और राणा अस्पताल के पीछे बनी कॉलोनी को ध्वस्त करने टीम पहुंची। कॉलोनी में सैकड़ों प्लॉट काटे गए थे और यहां मकान और दुकानें बनी हुई थीं। तोड़फोड़ शुरू होने पर वहां काम कर रहे मजदूर भाग गए।

नवरात्र के दौरान बंद रहेगा गाजीपुर स्लॉटर हाउस, महापौर ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने नवरात्र के दौरान मांस की बिक्री पर रोक लगाने के मकसद से गाजीपुर स्लॉटर हाउस को आठ अप्रैल दस अप्रैल तक बंद करने के आदेश जारी किए हैं।

साथ ही उन्होंने लाइसेंसशुदा दुकानों में नियमों को ताक पर रखते हुए मीट बेचा जा रहा है तो उनके चालान करने के साथ जुर्माना लगाने के लिए भी अधिकारियों का कहा है।

बताया गया कि निगम के डाक्टरों की टीम वैसे तो नियमित रूप से दुकानों का निरीक्षण करती है। लेकिन नवरात्रों के दिनों में मीट की दुकानों पर विशेष तौर पर कार्रवाई करने के लिए आदेश जारी किए हैं। यह जानकारी देते हुए महापौर ने कहा कि नवरात्र में आठ अप्रैल से लेकर दस अप्रैल तक तीन दिनों के लिए स्लॉटर हाउस को हर साल की तरह बंद करने के आदेश जारी किए हैं।

अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा गया है कि पूर्वी निगम क्षेत्र में कहीं भी मीट की अवैध दुकान ना खुले ओर ना ही दुकान पर मीट की ब्रिकी हो। साथ ही उन्होंने सभी वार्डो में मीट की दुकानो पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है।

बैकफुट पर आई 'आप' सरकार

मुस्लिम स्टाफ को हर दिन 2 घंटे की छुट्टी वाला आदेश लिया वापस

नई दिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार रमजान के दौरान दिल्ली जल बोर्ड के मुस्लिम कर्मचारियों को हर दिन दो घंटे की शॉर्ट लीव की मंजूरी को लेकर हुई किरकिरी के बाद यूटर्न लेते हुए यह आदेश वापस ले लिया है। दिल्ली जल बोर्ड ने रमजान के दौरान अपने मुस्लिम कर्मचारियों को एक महीने तक ऑफिस से प्रतिदिन दो घंटे की शॉर्ट लीव देने की अनुमति देने वाले आदेश 24 घंटे से भी कम समय के अंदर मंगलवार को वापस ले लिया। दरअसल, रमजान के मद्देनजर सोमवार 4 अप्रैल को जल बोर्ड ने सभी मुस्लिम कर्मचारियों को एक महीने तक ऑफिस से प्रतिदिन दो घंटे की शॉर्ट लीव देने की अनुमति देते हुए एक आदेश जारी किया था।

जल बोर्ड के असिस्टेंट कमिश्नर वीरेंद्र सिंह की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि सक्षम प्राधिकारी संबंधित डीडीओ/नियंत्रक अधिकारी द्वारा मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के दिनों में यानी 03 अप्रैल से 2 मई 2022 तक या ईद उल फितर की तारीख तक हर दिन लगभग दो घंटे शॉर्ट लीव की अनुमति देने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस आदेश में यह भी साफ कर दिया गया था कि यह शॉर्ट लीव इस शर्त के अधीन होगी कि वे शेष कार्यालय समय के दौरान अपना कार्य पूरा करेंगे ताकि कार्यालय का कार्य प्रभावित न हो।

गौरतलब है कि, दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में शनिवार को रमजान के मुकद्दस महीने का चांद नजर आया था। इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने रमजान का 03 अप्रैल से 2 मई 2022 तक होगा।

केजरीवाल के मंत्री पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

सत्येंद्र जैन के परिवार और कंपनियों की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालयने मंगलवार को कहा कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन के परिवार और कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। जैन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, शहरी विकास, बाढ़, सिंचाई और पानी मंत्री हैं। ईडी ने 2018 में शकूर बस्ती के आम आदमी पार्टी (आप) विधायक से मामले के सिलसिले में पूछताछ भी की थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि उसने संपत्ति की कुर्की के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया है। कुर्क की गई 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जे.जे. आइडियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, वैभव जैन की पत्नी स्वाति जैन, अजीत प्रसाद जैन की पत्नी सुशीला जैन और सुनील जैन की पत्नी इंदु जैन की हैं। ईडी की जांच में पाया गया कि 2015-16 की अवधि के दौरान जब सत्येंद्र कुमार जैन एक लोक सेवक थे, तो उनके द्वारा लाभकारी स्वामित्व वाली और नियंत्रित कंपनियों को हवाला मार्ग के माध्यम से कोलकाता बेस्ड एंट्री ऑपरेटरों को नकद ट्रांसफर के बदले शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपये की स्थानीय एंट्री प्राप्त हुई। ईडी ने उल्लेख किया कि इस रकम का उपयोग जमीन की सीधी खरीद या दिल्ली और उसके आसपास कृषि भूमि की खरीद हेतु लिए गए ऋण की अदायगी के लिए किया गया था। आप के मंत्री के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का ईडी का मामला अगस्त 2017 में सीबीआई द्वारा उनके और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है। गौरतलब है कि, केजरीवाल ने फरवरी में कहा था कि उन्हें सूत्रों से पता चला है कि ईडी पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने जा रही है और केंद्र पर आरोप लगाया कि वह यह महसूस कर रही है कि भाजपा चुनाव हार जाएगी। आप ने मार्च में पंजाब विधानसभा चुनाव जीता और सीमावर्ती राज्य में भगवंत मान के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सरकार बनाई।

एएचटीयू टीम दो नाबालिग बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया

नोएडा। एएचटीयू टीम ने सेक्टर 12-22 स्थित साईं कृपा शेल्टर होम में रहने वाले बच्चों की काउंसलिंग की। काउंसलिंग के बाद पुलिस ने दो नाबालिग बच्चों को उनके परिजनों से मिलावा दिया। शेल्टर होम में काउंसलिंग के दौरान एक 12 वर्षीय बालक ने बताया कि वह कड़कड़डूमा पूर्वी दिल्ली का रहने वाला है। एक दिन जब उसके पिता काम पर गए थे तो वह घर से घूमने के लिए निकल गया और रास्ता भटक गया। वह भटकता हुआ नोएडा आ गया। फिर पुलिसवाले बच्चे को शेल्टर होम ले आए। इसके बाद टीम ने बच्चे के पिता से संपर्क किया और नोएडा बुलाकर बच्चा उनके सुपुर्द कर दिया। इसके अलावा काउंसलिंग के दौरान एक और किशोर ने बताया कि उसके पिता कही बाहर काम करते हैं और उसकी माता सूरजपुर में एक कंपनी में काम करती हैं। उसकी माता दूसरे व्यक्ति के साथ रहती है। जब उसकी मां काम पर चली जाती थी तो वह व्यक्ति उसके साथ मारपीट करता था।

एक दिन वह किसी को बिना बताए घर से निकल गया और घूमता हुआ यहां आ गया। पुलिस ने किशोर को शेल्टर होम पहुंचाया था।

5 अप्रैल को आयोजित समाधान बैठक में अनुपस्थित उम्मीदवार 6 अप्रैल 2022 को आयोजित होने वाली समाधान बैठक में अवश्य करें प्रतिभाग

ग्रेटर नोएडा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट गौतमबुद्धनगर सुहास एलवाई के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 लड़ने वाले अभ्यर्थियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि आगामी 9 अप्रैल 2022 तक प्रत्येक दशा में व्यय लेखा रजिस्टर जमा किया जाना है। उन्होंने बताया कि व्यय लेखा रजिस्टर का मिलान करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट के सभागार में समाधान बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 61 नोएडा विधानसभा से 9 उम्मीदवारों, 62 दादरी विधानसभा से 3 उम्मीदवारों व 63 जेवर विधानसभा से 5 उम्मीदवारों के द्वारा बैठक में प्रतिभाग किया गया। 61 नोएडा विधानसभा से बहुजन समाज पार्टी के कृपाराम शर्मा, लिबरल पार्टी के ध्रुव अग्रवाल, राष्ट्रीय जनता पार्टी के नीतीश, विजय भारत पार्टी के विजेंद्र सिंह एवं 62 दादरी विधानसभा से दीपक कुमार चोटीवाला कांग्रेस, सपा के राजकुमार भाटी, मिहिर सेना के चमन सिंह, सर्व समाज पार्टी के जगदीश सिंह, सुभाष पार्टी के राघवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, बहुजन आंदोलन पार्टी के विनय नागर, आम आदमी पार्टी के संजय, शिवसेना के हेमंत शर्मा, निर्दलीय अमित बैसोया, त्रिलोचन सिंह, संजय कुमार शर्मा एवं 63 जेवर विधानसभा से कांग्रेस से मनोज,आम आदमी पार्टी से पूनम, लोजपा से मनोज कुमार शर्मा व निर्दलीय त्रिलोक चंद शर्मा, विजय, वीर सिंह, सुनील गौतम अनुपस्थित रहे। उन्होंने आज आयोजित होने वाली बैठक में अनुपस्थित उम्मीदवारों का आह्वान करते हुए कहा कि 6 अप्रैल 2022 को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होने वाली समाधान बैठक में प्रत्येक दशा में उपस्थित होकर व्यय लेखा रजिस्टर का मिलान अवश्य कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में उन्होंने बताया कि समस्त अनुपस्थित उम्मीदवारों के द्वारा यदि समय से निर्वाचन व्यय लेखा दाखिल नहीं किया जाता है तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऐसे उम्मीदवार को 6 वर्ष के लिए निर्रहित घोषित कर दिया जाएगा।

संपादकीय

रूसी ताकत का सच दुनिया के सामने लाने वाले यूक्रेन से विश्व को बहुत कुछ सीखना चाहिए

अशोक मधुप

यूक्रेन यूरोप का सबसे गरीब देश है। चार करोड़ 41 लाख की आबादी वाला ये छोटा देश अब तक कैसे रूस का मुकाबला कर रहा है, इसकी युद्ध विशेषज्ञों से जांच करानी होगी। रूस की ताकत और यूक्रेन की क्षमता को देख लगता था कि यूक्रेन सिर्फ हमले के कुछ क्षण में हथियार डाल देगा।

रूस और यूक्रेन के बीच 40 दिन से चल रहे युद्ध से दुनिया को बहुत कुछ सीखना होगा। समझना होगा। भविष्य के लिए अपनी सेना को हर हालात के लिए तैयार करने के लिए सभी देशों के लिए इस युद्ध का अध्ययन आवश्यक हो गया है। आवश्यक हो गया है ये पता करना कि दुनिया की विशालतम सेनाओं में से एक और दुनिया की बड़ी शक्ति रूस क्यों एक छोटे से देश यूक्रेन को 38 दिन बाद भी नहीं झुका पाया। यह भी अध्ययन करना होगा कि यूक्रेन जैसा छोटा देश किस आधार पर, किस तरीके से, किस युद्ध संयोजन से दुनिया की एक महाशक्ति से 38 दिन से लोहा ले रहा है।

रूस-चीन और अमेरिका दुनिया की तीन ताकत मानी जाती हैं। इनके पास दुनिया की बड़ी सेनाएं हैं। साथ ही आधुनिकतम हथियार भी इनके पास हैं। दुनिया की सबसे उन्नत शस्त्र और सुरक्षा प्रणाली इनके पास है। इतना सब होने पर 38 दिन तक रूस पूरी ताकत से हमला करने के बाद भी अपने से तीन गुने छोटे यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर सका। लगता यह है कि रूसी सेना ने इस युद्ध के लिए कोई प्लान तैयार नहीं किया। रणनीति नहीं बनाई। अपने को सबसे ताकतवर समझा। माना कि वह यूक्रेन को मच्छर की तरह मसल देगा। आदेश मिला और हमला कर दिया। मान लिया कि उनकी सेना देख दुश्मन खुद हथियार डाल देगा। विशेषज्ञ रूस की सेना की असफलता के बारे में कह रहे हैं कि यूक्रेन ठंडा है। रूस के टैंक वहां निष्क्रिय हो गए। क्या हमले से पूर्व रूस को ये पता नहीं था कि वहां क्या हालात मिलेंगे ? कैसे मौसम होगा। वैसे भी रूस तो खुद ठंडा देश है।

पूरी दुनिया को भविष्य के युद्ध के लिए अपने को तैयार रखने के लिए रूस की सेना की इस विफलता के कारणों का अध्ययन करना बहुत जरूरी हो गया है। रूस के पास दुनिया का आधुनिकतम सुरक्षा तंत्र है। इसकी मिसाइल एस 400 सुरक्षा प्रणाली भारत ने खरीदी है। मिसाइल 400 सुरक्षा प्रणाली से भी आधुनिक हवाई सुरक्षा तंत्र होते यूक्रेनी हैलिकाप्टर ने युद्ध के 37वें दिन रूस की सीमा में 35 किलोमीटर अंदर घुसकर बेलगोराद शहर की तेल डिपो पर हमला कैसे कर दिया ? इतने बड़े सुरक्षा तंत्र के बीच ये कैसे हो गया। 40 दिन से युद्ध चल रहा है। दुश्मन के हमले की आशंका को देखते हुए ऐसे में पूरा सुरक्षा तंत्र सक्रिय रहता है। हवाई सुरक्षा तंत्र तो वैसे भी 24 घंटे काम करता है। इसके बावजूद यूक्रेन के दो हैलिकाप्टर रूस की सीमा में 35 किलोमीटर अंदर तक कैसे चले गए। क्या रूस की सुरक्षा प्रणाली में कहीं कमी है। कहीं झोल है, इस पर काम करना होगा। इसका पता चलाना होगा। अभी भारत की भूल से चली एक मिसाइल पाकिस्तान में 125 किलोमीटर अंदर जाकर गिरी। पाकिस्तान के पास चीन से खरीदा हुआ आधुनिक हवाई सुरक्षा सिस्टम एचयू-9 है। इस आधुनिक हवाई सुरक्षा तंत्र के होते ये मिसाइल कैसे पाकिस्तान में 120 किलोमीटर अंदर तक चली गई। जरूरत चीन के इस सिस्टम की विफलता के अध्ययन की है। हमें दुश्मन देशों का मुकाबला करने के लिए उनके सुरक्षा तंत्र और हवाई सुरक्षा प्रणाली की कमियों को खोजना होगा। इस पर गंभीरता से काम करना होगा। इन कमियों का लाभ उठाने के लिए देश को तैयार करना होगा।

यूक्रेन यूरोप का सबसे गरीब देश है। चार करोड़ 41 लाख की आबादी वाला ये छोटा देश अब तक कैसे रूस का मुकाबला कर रहा है, इसकी युद्ध विशेषज्ञों से जांच करानी होगी। रूस की ताकत और यूक्रेन की क्षमता को देख लगता था कि यूक्रेन सिर्फ हमले के कुछ क्षण में हथियार डाल देगा, किंतु युद्ध के 38 दिन बाद भी वह मजबूती से लड़ रहा है, यह एक बड़ी बात है। उसकी जिजिविषा के आगे नतमस्तक होने को जी करता है।

पाकिस्तान में समूचे विपक्ष का एकजुट होना इमरान खान के लिए सबसे बड़ा खतरा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इमरान सरकार की दिक्कत यह है कि उसके अपने सांसद उससे टूट गए हैं। उन्होंने विपक्षियों से हाथ मिला लिया है। अब वह अल्पमत की सरकार भर रह गई है। उसकी तीसरी मुसीबत यह है कि उसकी सरकार का गठबंधन तो टूटा ही, सारे विपक्षी दल एकजुट हो गए।

पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने भरोसा दिलाया था कि वह संसद के भंग होने के सवाल पर तुरंत फैसला करेगा लेकिन दो दिन के बावजूद उसने इसे मंगलवार तक के लिए टाल दिया है। उसने इसे क्यों टाला होगा ? उसने पीपीपी के रवैए की इस मांग को पहले रद्द किया कि इस मामले को अदालत की पूरी बेंच निपटाए। जजों ने पूछा कि पांच जजों की इस बेंच पर आपको भरोसा क्यों नहीं है ? जज इतने गुस्से में आ गए कि उन्होंने कहा कि अगर आपको हमारी निष्पक्षता में विश्वास नहीं है तो हम सब इस्तीफा देने को तैयार हैं। अदालत का फैसला क्या होगा, कहना मुश्किल है। हो सकता है कि वह संसद के भंग करने को जायज ठहरा दे और चुनाव के द्वारा नई सरकार बनवाने का समर्थन कर दे। पाकिस्तान के लिए यही भला है। इमरान सरकार और फौज के संबंध काफी कठिन हो गए हैं। ऐसे में उस सरकार का इस्लामाबाद में चलते रहना बड़ा मुश्किल है।

इमरान सरकार की दूसरी बड़ी दिक्कत यह है कि उसके अपने सांसद उससे टूट गए हैं। उन्होंने विपक्षियों से हाथ मिला लिया है। अब वह अल्पमत की सरकार भर रह गई है। उसकी तीसरी मुसीबत यह है कि उसकी सरकार का गठबंधन तो टूटा ही, सारे विपक्षी दल एकजुट हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह कि इमरान ने आशाएँ खूब जगाईं और सपने खूब दिखाए लेकिन महामारी से निपटने में और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उनके पासे उल्टे पड़ गए। उनकी रूस-यात्रा ने भी पाकिस्तान की फौज को परेशान कर दिया। इन सब कारणों के रहते उनकी सरकार का ढह जाना स्वाभाविक था लेकिन उनकी जगह अगर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के कारण यदि अभी विरोधी गठबंधन की सरकार बन गई तो यह सवाल बहुत तीखे रूप में उठ खड़ा होगा कि यह गठबंधन या यह सरकार कहां तक लोकमत के समर्थन की दावेदार है ?

यह लोक-समर्थन नहीं बल्कि दल-बदल और पार्टियों के दल-दल से मिलकर बनेगी। इसमें कितना नैतिक बल होगा ? परस्पर विरोधी दल कब तक एक साथ टिके रहेंगे ? और यह सरकार टिक भी गई तो डेढ़ साल बाद तो इसे चुनाव करवाने ही होंगे। ऐसे में लगता है कि पाकिस्तान अधर में लटका रहेगा। उसकी डगमगाती अर्थ-व्यवस्था इस बीच चौपट भी हो सकती है। इस नए गठबंधन के सर्वोच्च नेताओं से फौज के अत्यंत कटु संबंध रहे हैं। फौज ने पीपीपी और मुस्लिम लीग (नवाज) के नेताओं के तख्ता-पलट कई बार किए हैं। अब जन-समर्थन के बिना सत्तारुढ़ हुए इन दोनों दलों को क्या फौज बर्दाश्त कर लेगी ? यदि पाकिस्तान का सर्वोच्च न्यायालय उक्त विश्लेषण को ध्यान में रखेगा तो वह संसद को भंग करने और चुनाव करवाने के फैसलों पर मुहर भी लगा सकता है।

क्या है लुटियंस जोन के बंगलों की कहानी, किस मंत्री या सांसद को कौन सा बंगला होता है अलॉट

अभिनय आकाश

2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से इन विशेष बंगलों से पूर्व मंत्रियों और सांसदों को नियमति रूप से बेदखल करने का एक अभियान चलाया हुआ है। जिसकी जद में उनके अपने सांसद और पूर्व मंत्री भी आए। अपने पहले कार्याकल के साल में ही करीब 460 लोगों को लुटियंस क्षेत्र से बेदखल किया है।

दिल्ली से बाहर के लोग जो राजधानी के बारे में सोचते होंगे या उसके बारे में कल्पना उठती है वो इसी लुटियंस वाली दिल्ली की है। वीआईपी और रसूखदार लोगों की रिहाइश के लिए इस इलाके को जाना जाता है। नेताओं और सरकारी अफसरों का पसंदीदा ठिकाना। अफसर भी यहां छोटे-मोटे पदों वाले नहीं बल्कि बड़े-बड़े पदों वाले रहते हैं। इसलिए एक लंबी दौड़ यहां लगती है बंगला पाने के लिए। क्या नेता, क्या अफसर सरकारी बंगलों तक पहुंचने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। पिछले एक हफ्ते में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संपदा निदेशालय (डीओई) की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्रियों को उनके कार्यकाल के दौरान आवंटित बंगले खाली करने का नोटिस प्राप्त हुआ। इसने सांसद चिराग पासवान से दिवंगत पिता रामविलास पासवान, भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को 7 मोती लाल नेहरू मार्ग, पूर्व केंद्रीय मंत्री पीसी सारंगी से 10 पंडित पंत मार्ग से और पूर्व शिक्षा मंत्री रमेश को आवंटित बंगले से खाली करा लिया गया है। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि मंत्रियों को किस तरह से बंगले अलॉट किए जाते हैं, इसे खाली कराए जाने की क्या प्रक्रिया है और आखिर क्यों नेता बंगला नहीं छोड़ना चाहते हैं।

कैसे अलॉट होता है बंगला

भारत सरकार की सम्पदाओं का प्रशासन और प्रबंधन करना संपदा निदेशालय के जिम्मे है। जिसमें देश भर में सरकारी आवासीय आवास और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। केंद्र सरकार के बंगलों का आवंटन सामान्य पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) अधिनियम के तहत किया जाता है। जीपीआरए दिल्ली में और दिल्ली के बाहर 39 स्थानों पर डीओई के प्रशासनिक नियंत्रण में केंद्र सरकार के आवासीय आवास को कवर करता है। केंद्र सरकार के कर्मचारी जीपीआरए पूल के तहत आवास के लिए आवेदन करने के पात्र हैं,और आवंटन आवेदक के वेतनमान, कार्यालय या स्थिति के अनुसार किया जाता है। केंद्रीय मंत्रियों की सेवा के लिए आवास डीओई द्वारा आवंटित किया जाता है। टाइप VII या टाइप VIII बंगला आवंटित करने की जिम्मेदारी हाउस कमेटी की होती है।

आधिकारिक बंगलों में कौन सा राजनेता सबसे लंबे समय तक काबिज रहा?

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार 10 जनपथ के बंगले में सोनिया गांधी पिछले तीन दशक से रह रही हैं। ये बंगला राजीव गांधी को 19 जनवरी 1990 को आवंटित हुआ था। राजीव गांधी की हत्या के बाद ये बंगला सोनिया गांधी को दे दिया गया था। सोनिया गांधी के अलावा रामविलास पासवान को 12 जनपथ 14 मार्च 1990 को मिला था। बीजेपी के सीनियर नेता लाल कृष्ण आडवानी 30 पृथ्वीराज रोड पर 21 जनवरी 2002 से रहते आ रहे हैं। एनसीपी चीफ शरद पवार 6 जनपथ रोड पर 4 जून 2004 से रह रहे हैं।

किस मंत्री या सांसद को किस टाइप का बंगला होता है अलॉट

टाइप-8 बंगले- यह सबसे बड़े बंगले माने जाते है। ये एक 3 एकड़ में फैले हुए है। इन बंगलों में 8 कमरे हैं। इनमें 5 बेडरूम एक बड़ा हॉल, 1 डाइनिंग रूम और एक स्टडी रूम है। कैंपस में बैठने के लिए अलग से हॉल और लॉन हैं। ये बंगले कैबिनेट मिनिस्टर, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति या उनकी जीवित पत्नियों को अलॉट किए जाते हैं। ये बंगले नई दिल्ली के जनपथ रोड, मोतीलाल नेहरू मार्ग, तुगलक रोड, सफदरजंग रोड, अकबर रोड, कृष्णमेनन मार्ग और त्यागराज मार्ग पर हैं।

टाइप-7 बंगले: ये बंगले एक एकड़ से लेकर सवा एकड़ तक में फैले हैं। इनमें 4 बेडरूम होते हैं। ये बंगले राज्य मंत्रियों, हाई कोर्ट के जस्टिस, कम से कम पांच बार के सांसदों को अलॉट किया जाता है। ऐसे बंगले अशोका रोड, लोदी स्टेट, कुशक रोड, तुगलक रोड और कैनिंग लेन में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तुगलक लेन के टाइप 7 बंगले में ही रहते हैं।

टाइप-6 और 5 बंगले: ये बंगले एक बार या उससे अधिक जीतकर आने वाले सांसदों और पहली बार जीतकर आने वाले सांसदों को मिल सकते हैं। ये 1 एकड़ से कम के बंगले हैं। टाइप-5 बंगले चार कैटगरी में होते हैं। पहली कैटेगरी में ए में एक बेडरूम और एक ड्राइंग रूम होते हैं। जबकि दूसरी कैटगरी यानी बी में दो बेडरूम और एक ड्राइंग रूम, सी में 3 बेडरूम और एक ड्राइंग रूम और डी कैटेगरी में 4 बेडरूम और 1 ड्राइंग रूम होता है।

हालिया कुछ वर्षों में इनसे खाली कराया गया आवास

चिराग पासवान:लोजपा सांसद चिराग पासवान से दिल्ली स्थित 12 जनपथ वाले घर को खाली कराया गया। चिराग ने कहा कि 29 तारीख को सपरिवार खुद घर से निकल कर जाने को तैयार था, पर जबरदस्ती फोर्स भिजवा कर सामान फेंका गया। रामविलास पासवान के निधन के बाद दिल्ली का 12 जनपथ बंगला खाली करने का आदेश जारी हुआ था।

प्रियंका गांधी वाड्रा: 2020 में कांग्रेस महासचिव को 35, लोधी एस्टेट हाउस में आवंटित आवास को एक महीने के भीतर खाली करने के लिए नोटिस भेजा गया था। एसपीजी सुरक्षा वापस लिए जाने के बाद वह आवासीय सुविधा पाने की हकदार नहीं हैं। उन्हें 21 फरवरी 1997 को एसपीजी सुरक्षा प्राप्त बंगला आवंटित किया गया था। लेकिन' प्लस सुरक्षा में बंगला नहीं मिलता है।

अधीर रंजन चौधरी : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से चौथी बार सांसद बने चौधरी, यूपीए सरकार के दौरान वर्ष 2012 में रेलवे राज्यमंत्री बनने के बाद चाणक्यपुरी के मोतीबाग हाउसिंग काम्पलेक्स स्थित बंगले में शिफ्ट हुए थे। लेकिन मंत्री पद से हटने के बाद सांसद होने के नाते उन्हें छोटा यानी टाइप 6 का ही बंगला दिया गया तो चौधरी ने उसे लेने से मना कर दिया। नौबत तो यहां तक आ गई थी कि बंगला ख़ाली कराने पहुंच अधिकारियों को उनका सामान बाहर निकाल कर रखना पड़ा। उनकी बिजली पहले ही काट दी गई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था और कोर्ट को चौधरी को कहना पड़ा था कि आपको गरिमा का परिचय देना चाहिए।

अंबिका सोनी और कुमारी शैलजा: 2015 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कांग्रेस के दो राज्यसभा सांसदों को अपने मंत्री प्रकार के आठवें बंगले को खाली करने का आदेश दिया, जिस पर वे मंत्रियों के रूप में पद छोड़ने के बाद भी उस पर कब्जा जमा रखा था। राज्यसभा सचिवालय ने अदालत को बताया कि उन्हें अब टाइप VII बंगले आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

शरद यादव: पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री को 31 मई, 2022 तक एक सांसद के रूप में उन्हें आवंटित दिल्ली बंगला खाली करने का निर्देश दिया।

यादव ने दिसंबर 2017 में राज्यसभा की सदस्यता से अयोग्य होने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश को चुनौती देते हुए शरद यादव ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और हर्षवर्धन को बंगला खाली करने के आदेश भेजे जा चुके हैं। अब टाइप VIII बंगले के लिए पात्र नहीं हैं। डीओई ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को नोटिस भेजकर चाणक्यपुरी में उसे आवंटित आवास खाली करने को कहा।

एचडीएफसी की कामयाबी का राज क्या?

आर.के. सिन्हा

एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी लिमिटेड के विलय को कई स्तरों पर गंभीरतापूर्वक देखना होगा। हिन्दुस्तान का हरेक वह शख्स जो अपने घर का सपना देखता है वह हाउसिंग लोन एचडीएफसी बैंक से ही पहले लेने के संबंध सोचता है। दूसरी बात यह कि एचडीएफसी बैंक देश के नौजवानों की पहली पसंद हो गया है। अगर आपको यकीन ना हो तो किसी एचडीएफसी बैंक की शाखा में कुछ देर खड़े होकर देख लें कि वहां के कस्टमर का सामान्य प्रोफाइल किस तरह का है।

अब यह माना जा रहा है कि विलय के बाद एचडीएफसी बैंक टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़कर भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। पर यह कितने लोगों को पता है कि इस सफलता की इबारत लिखने में एचडीएफसी के चेयरमेन दीपक पारेख और कुछ समय पहले तक एचडीएफसी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर रहे आदित्य पुरी का खास रोल रहा है। दीपक पारेख ने एचडीएफसी बैंक की कमान आदित्य पुरी को सौंपी। आदित्य पुरी तब मलेशिया में सिटी बैंक में काम कर रहे थे। आदित्य पुरी को एक नए बैंक को खड़ा करना चुनौतीपूर्ण लगा। उन्होंने सिटी बैंक की शानदार नौकरी को छोड़कर एक बिल्कुल नए बैंक में नौकरी करना चुनौतीपूर्ण अवसर के रूप में सही माना। उसके बाद आदित्य पुरी ने एचडीएफसी बैंक को खड़ा किया। उन्होंने एचडीएफसी बैंक को देश के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में से एक के रूप में स्थापित कर के दिखा दिया। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के विलय से पहले आदित्य पुरी रिटायर हो गए। लेकिन, उन्होंने अपने कई योग्य उत्तराधिकारी तैयार कर लिए। उन्हें कप्तानी के गुण समझाए-सिखाए। इसलिए वहां सत्ता का हस्तातंरण मजे से हो गया। आदित्य पुरी के जाने के बाद भी एचडीएफसी बैंक आगे बढ़ रहा है। एचडीएफसी बैंक का एचडीएफसी लिमिटेड में विलय भी इस बात की गवाही है। दरअसल किसी पार्टी, परिवार से लेकर संस्थान की पहचान उसके कप्तान से होती है। वही दिशा देता है और उसका ही विजन होता है। पर अफसोस कि सब बैंकों या दूसरे संस्थानों को आदित्य पुरी या दीपक पारेख जैसे गुणी लोग शिखर पर नहीं मिलते। राणा कपूर में भी बहुत संभावनाएं देखी जा रही थीं। वे यस बैंक के चेययमेन थे। पर राणा कपूर की काहिली और करप्शन के कारण यस बैंक लगभग डूब ही गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले साल यस बैंक से पैसे निकालने की अधिकतम सीमा तय कर दी थी। राणा कपूर ने यस बैंक को नोच-नोचकर खाया। पर आखिर में जब उनके पाप का घड़ा भरा तब वे जेल में हैं। मतलब वे यस बैंक को एचडीएफसी बैंक के स्तर पर लेकर जाने में असफल रहे। या उनहोंने कोशिश ही नहीं की, उनके लालच से उनका बैंक धूल में मिलता रहा।

अब आईसीआईसीआई बैंक की भी बात कर लेते हैं। इसकी एमडी और सीईओ चंदा कोचर ने भी बैंक को खूब चूना लगाया। कोचर ने नियमों को ताक पर रखकर वीडियोकॉन को लोन दिये। वह अंत में वह भी अपने ही बुने जाल में फंस गई और जेल भी गई।

दरअसल विगत कुछ समय के दौरान देश के कई दिग्गज बैंकर अपनी ही करतूतों के कारण फंसे। यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया की पूर्व चेयरमेन और मैनेजिंग डायरेक्टर अर्चना भार्गव के खिलाफ भी करप्शन का केस दर्ज किया गया था। अर्चना भार्गव पर आरोप था कि वर्ष 2011 में केनरा बैंक का कार्यकारी निदेशक रहते हुए और 2013 में यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की सीएमडी के तौर पर उन्होंने उन कंपनियों को दिल खोलकर लोन दिलवाया जो उनके पति और पुत्र की कंपनियों से डील करतीथीं।

आइए एकजुट होकर आगे बढ़ें

स्वर्ण भारत का निर्माण करने विविधता में एकता का प्रतीक भारतीय संस्कृति तथा धरोहर की सुरक्षा करना ज़रूरी

विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच रिश्तों के सुदृढ़ीकरण से वसुधैव कुटुम्बकम के सभ्यतागत मूल्यों को बढ़ावा मिलता है - एड किशन भावनानी

भारत में 2 अप्रैल 2022 को विभिन्न नामों तथा रीति-रिवाजों से अनेक समाजों ने पारंपरिक नववर्ष समारोह चेट्रीचंड्र, गुड़ी पाड़वा, नवरात्रा, उगांडी, युगांडी, चैत्र शुक्ला दी, रमजान, सजीबू, चेराओबी, नवरेह, नवसंवतसर,इत्यादि नामों से त्योहार अपने-अपने समाजों में मना कर अनेकता में एकता, विविधता में एकता की प्रतीक हमारी भारतीय संस्कृति तथा धरोहर का एक अच्छा खासा उदाहरण पेश किए!!!

इस अवसर पर पारंपरिक नववर्षपर किए समारोहों पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष सहित महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर बैठे अनेक नामी -गिरामी हस्तियों ने ट्विटर और प्रत्यक्ष स्वयंमुख से बधाईयों के संदेश दिए जो एक सबसे महत्वपूर्ण और खूबसूरत पल था कि इतने सारे अलग -अलग भाषाई पर्वों को खूबसूरती के साथ एक ही दिन पर मनाया गया था। कुछ की शुरुआत की गई जो कुछ दिन समारोह, पूजा-अर्चना चलेगी।

साथियों बात अगर हम इसी विविधता में एकता पर्वों, रीति-रिवाजों से स्वर्ण भारत का निर्माण करने की करें तो विवधता में एकता की प्रतीक हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता और इसीलिए एकजुटता से मिलकर संजोए रखें और इसकी सुरक्षा करते रहें जिससे हमारा आपसी भाईचारा, प्रेम, मोहब्बत, लोगों के बीच रिश्तो में सुदृढ़ीकरण होकर और अधिक मजबूत होंगे जिसकी ताकत से हमारी अनेक मूलभूत समस्याएं जैसे बेरोजगारी पर काबू पाना, अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, आपसी मतभेद समाप्त करने, हमें हमें आसानी होगी।

मिलकर काम करनेसे हमें एकजुटता ज़ज्बाऔर जांबाजी हासिल होगी जिसके बल पर हम एक और एक ग्यारह की कहावत को धरातल पर उतारकर एक शक्तिशाली स्वर्ण भारत बना सकते हैं जो वैश्विक नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त राष्ट्र होगा।

साथियों बात अगर हम स्वर्ण भारत के वैश्विक नेतृत्व की करें तो एक दिन पूर्व से ही हम मीडिया में सुबसुबाहट सुन रहे है कि यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे महायुद्ध के बीच भारत को मध्यस्तता के लिए नियुक्त किया जा सकता है ताकि भारत अपने बौद्धिक कौशलता से दोनों राष्ट्रों के नेताओं के बीच आपसी बैठक और बात करा कर युद्ध विराम कर समस्याओं के सुलझाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करने की भूमिका निभा सकता है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 2 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने भी, युवाओं से भारतीय संस्कृति को संरक्षित तथा सुरक्षित करने और प्रत्येक भारतीय त्यौहार के पीछे के महत्व को समझने की अपील की। उन्होंने शुभकामना जताई कि पारंपरिक नववर्ष देश के लोगों के जीवन में समृद्धि और प्रसन्नता लाए। यह याद दिलाते हुए कि नव वर्ष के त्यौहार प्रकृति के उपहार का भी समारोह है।

उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से नव वर्ष पर प्रकृति को संरक्षित करने तथा टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने की अपील की।

उन्होंने, लोगों विशेष रूप से युवाओं को निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने तथा स्वस्थ आदतों को अपनाने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच रिश्तों के सुदृढ़ीकरण से समाज में सद्भावना को बढ़ावा मिलता है।

भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के सभ्यतागत मूल्य का स्मरण करते हुए उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से देश की प्रगति के लिए सतत प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा, आइए एकजुट हों तथा आगे बढ़ें, आइए आत्म निर्भर भारत अर्जित करें।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक नव वर्ष समारोह देशभर में विभिन्न नामों तथा रीति रिवाजों जैसे कि उगाडी, युगाडी, गुडी परवा, चैत्र शुक्लादि, चेतिचांद, सजीबू, चेराओबा, नवरेह, के साथ मनाया जाता है और यह अपनी विविधता तथा अतंरनिहित एकता को प्रदर्शित करता हुआ भारतीय संस्कृति का प्रतीक है।

उन्होंने सार्वजनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के उपयोग के महत्व पर जोर दिया और सुझाव दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को जहां तक संभव हो, अपने दैनिक जीवन में अपनी मातृभाषा का उपयोग करना चाहिए और उससे प्यार करना चाहिए'।

उन्होंने इच्छा जताई कि स्कूलों में कम से कम प्राथमिक स्तर पर निर्देश का माध्यम मातृभाषा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का प्रशासन एवं न्यायालयों में उपयोग निरंतर बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन ने भारत का शोषण किया जिससे भारतीयों के बीच हीन भावना पैदा हो गई।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति से भारत की प्राचीन विरासत के प्रति गौरव महसूस करने का आग्रह किया तथा कहा कि भारत के सभी क्षेत्रों में तेज विकास देखा जा रहा है और समस्त दुनिया की भारत पर दृष्टि है।

सार्वजनिक चर्चाओं में बहस की सर्वोच्च गुणवत्ता बनाए रखने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी विश्व के मंच पर भारत की स्थिति को कमतर नहीं दिखाना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आइए एकजुट होकर आगे बढ़े!!!

स्वर्ण भारत का निर्माण करने विविधता में एकता का प्रतीक भारतीय संस्कृति तथा धरोहर की सुरक्षा करना ज़रूरी है।विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच रिश्तो के सुदृढ़ीकरण से वसुधैव कुटुम्बकम की सभ्यतागत मूल्यों को बढ़ावा मिलता है।

है होता नुकसान !

मुफ्त ज्यादा लेने से ।
है होता नुकसान ।।
कर्मठता जरूरी ।
बनना यदि महान ।।
आय के साधन हों ।
इसी की दरकार ।।
मुफ्त-मुफ्त लेकिन ।
कर रहे सरकार ।।
खड़ा अपने पैरों पर ।
है करके दिखलाना ??।।
नई राजनीति है ।
नया रंग जमाना ।।
देखते हैं आगे ।
कितना असरदार ?
चल रही तरकीब जो ?।
कैसा चमत्कार ?

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

काम में लापरवाही बरतने के आरोप में महाराजगंज के बीएसए सचिवालय से संबद्ध किये गये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अनियमितता, लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' का अगला निशाना महराजगंज के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ओम प्रकाश यादव बने हैं। शासकीय कामों में अनियमितता एवं लापरवाही पूर्ण रवैये के कारण छात्र हितों की अनदेखी करने के आरोप में उन्हें तत्काल प्रभाव से दायित्व मुक्त कर सचिवालय से संबद्ध कर दिया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यादव के शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में महाराजगंज के बीएसए के दायित्व से मुक्त कर फिलहाल आरोपों की जांच होने तक लखनऊ स्थित सचिवालय से संबद्ध कर दिया गया है। बीएसए के खिलाफ लगे आरोपों की जांच गोरखपुर के संयुक्त निदेशक (शिक्षा) को सौंपी गयी है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यादव के खिलाफ लगे आरोपों की प्रारंभिक जांच में सही पाये जाने पर शासन ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि अग्रिम जांच में आरोप सही पाये जाने पर उनके विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की जा सकती है। गौरतलब है कि योगी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोपों से घिरे अधिकारियों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। इस क्रम में अब तक प्रशासनिक सेवा के दो तथा पुलिस सेवा के एक अधिकारी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। योगी सरकार ने सोमवार को औरैया के जिलाधिकारी सुनील वर्मा को भ्रष्टाचार और प्रशासनिक दायित्व के निर्वाह में लापरवाही की शिकायतों के आधार पर निलंबित किया था। इससे पहले 31 मार्च को सोनभद्र के जिलाधिकारी टी के शिबु को भ्रष्टाचार एवं लापरवाही के आरोप में और गाजियाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पवन कुमार को अपराधों पर नियंत्रण करने में नाकाम रहने के आरोप में निलंबित किया जा चुका है।

अयोध्या में बस पलटने से तीन मरे,30 घायल

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में अयोध्या के कैंट क्षेत्र में तेज रफ्तार बस के पलटने से तीन लोगों की मृत्यु हो गयी और तीस लोग घायल हो गये हैं, जिसमें एक की हालत नाजुक बतायी जा रही है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय मार्ग पर एक बस दिल्ली से बस्ती, सिद्धार्थनगर जा रही थी कि कैंट थाना क्षेत्र में मुमताजनगर के पास फ्लाई ओवर पर चढ़ते ही ओवरटेक करने के चक्कर में रेलिंग से टकराकर पलट गयी। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गयी, और तीस लोग घायल हो गये। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जिसमें एक की हालत चिंताजनक बतायी जा रही है, उसे डॉक्टरों ने लखनऊ रिफर कर दिया है। जिलाधिकारी नितीश कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय तत्काल घटनास्थल पर जाकर सभी घायलों को जिला अस्पताल में दाखिल कराया और वहां पर भी जा करके उपचार करवाया। मृतक और घायल यात्री सिद्धार्थनगर के बासी के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि 11 लोगों को छोड़कर बाकी लोगों को हल्की चोटें आयी थीं जिन्हें प्राथमिक उपचार कर उन्हें छोड़ दिया गया है, बाकी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। सरकार ने मृतकों के परिवार को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मुर्तजा की कुण्डली खंगालने जौनपुर आयी थी एटीएस

जौनपुर। गोरखनाथ मंदिर में हमला करके दो सुरक्षा कर्मियों को घायल करने के आरोपी मुर्तजा अब्बासी की कुण्डली खंगालने के लिए एटीएस टीम सोमवार की शाम को जौनपुर में नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सब्जी मण्डी स्थित उसके ससुराल आयी थी। जांच पड़ताल करने के बाद टीम वापस लौट गयी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रविवार की शाम को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर के दक्षिणी गेट के बाहर पीएसी जवानों पर हमला करने वाले मुर्तजा अब्बासी की शादी 2019 में जौनपुर नगर के सब्जी मण्डी निवासी मुजफ्फरूल हक की बेटी शादमा के साथ हुई थी। मुजफ्फरूल हक ने बताया कि उनकी बेटी की शादी सन् 2019 में अब्बासी के साथ हुई थी, लेकिन अब्बासी की सास बेटी परेशान करती थी इस लिए हमने शादी कुछ ही दिन बाद सितम्बर 2019 को बेटी को वापस अपने घर बुला लिया बाद में अब्बासी ने मोबाईल फोन से तलाक दे दिया था। गोरखानाथ मंदिर के बाहर तीन पीएसी को जवानों पर हमला करने के बाद हरकत में आयी खुफिया विभाग और जांच एजेंसियां आरोपी मुर्तजा अब्बासी की जांच पड़ताल किया किया तो उसका विदेशी कनेक्शन मिला। आतंकवादी संगठनों से सम्पर्क का अंदेशा होने के कारण मुर्तजा हर ठिकाने, नाते रिश्तेदारों की जांच शुरू हो गयी। इसी सिलसिलें में सोमवार को आतंकवादी निरोधी दस्ता उसके ससुराल पहुंचकर जांच पड़ताल की।

गाजीपुर में परीक्षा देने आई दो बहनें लापता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के सादात क्षेत्र में सोमवार को हाईस्कूल की परीक्षा देने गई दो चचेरी बहनों का मंगलवार की दोपहर तक कहीं पता नहीं चल सका है। इस मामले में पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। आजमगढ़ जिले में तरवां थाना क्षेत्र के सिंहपुर निवासी अजीत कुमार सिंह ने सादात पुलिस को सोमवार की रात तहरीर देकर दो छात्राओं के लापता होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार की सुबह की पाली में उनकी पुत्री राज नन्दनी सिंह और भतीजी खुशी सिंह पुत्री अजय सिंह हाईस्कूल विज्ञान विषय की परीक्षा देने के लिए डढ़वल केन्द्र पर आई थी। पेशे से शिक्षक अजीत सिंह खुद जिला मुख्यालय पर कार्यरत हैं। उन्होंने दोनों छात्राओं को परीक्षा केन्द्र पर छोड़कर जिला मुख्यालय जाते समय बोला था कि वह अपने ननिहाल टांड़ा चली जाएंगी। उनको लेने के लिए उनके नाना आएंगे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब छात्राओं को लेने के लिए उनके नाना तेजबहादुर सिंह पहुंचे तो उनका कहीं पता नहीं चला। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने केन्द्र पर पहुंचकर सीसी कैमरे का फुटेज खंगाला और स्कूल स्टाफ से पूछताछ की।

शामली में एके-47 समेत धरा गया बदमाश

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली के थानाभवन क्षेत्र में पुलिस ने एक शातिर अपराधी को एके-47 राइफल और 1300 कारतूस एवं चार मैगजीन समेत धर दबोचा। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने मंगलवार को बताया कि मुजफ्फरनगर निवासी गिरफ्तार अभियुक्त अनिल उर्फ पिंटू ने पूछताछ में बताया कि उसने एके-47 कुख्यात अपराधी संजीव जीवा से 11 लाख रूपये में खरीदी थी जिसे छिपाने के लिये वह निकला था मगर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पिंटू ने बताया कि रौब गांठने के लिये खरीदे गये इस हथियार से उसे और उसके दोस्त अनिल बंजी ने मेरठ के मोदीपुरम स्थित कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की हत्या की सुपारी ली थी मगर बाद में इरादा बदल दिया और कुलपति पर दूसरे हथियार से हमला किया गया हालांकि वह इस हमले में बाल बाल बच गये। इस मामले में अनिल बंजी और उसके साथी पकड़े गये जो इस समय मेरठ जेल में है। गिरफ्तार अपराधी इससे पहले विक्की त्यागी की हत्या के आरोप में जेल जा चुका है। अनिल बंजी सिसौली कस्बे का निवासी है जिसने वर्ष 2009 में वायुसेना से सेवानिवृत्ति ली थी। उन्होने बताया कि अनिल के कब्जे से एके 47 और चार मैगजीन के अलावा 7.62 एमएम के 700 कारतूस और 4.55 एमएम के 400 कारतूस बरामद किये गये हैं।

झूठे विज्ञापनों के बजाय चिकित्सा सेवा पर खर्च करते तो बेहतर होता : अखिलेश

लखनऊ। बलिया में बीमार महिला को ठेले में अस्पताल ले जाने संबंधी वायरल वीडियो को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि झूठे विज्ञापनों पर खर्च करने के बजाय चिकित्सा सेवाओं पर खर्च किया जाता तो गरीब बीमार लोगों की जान बचायी जा सकती है। यादव ने मंगलवार को ट्वीट किया उप्र में चिकित्सा की झूठी उपलब्धि के झूठे विज्ञापनों में जितना खर्च किया जाता है, उसका थोड़ा-सा हिस्सा भी अगर सपा के समय सुधरी चिकित्सा सेवाओं पर लगातार खर्च किया जाता रहा होता तो आज भाजपा के राज में स्ट्रेचर व एम्बुलेन्स के अभाव में लोगों की जो जान जा रही है ।

गोरखपुर की घटना के बाद अयोध्या में अलर्ट

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर की घटना के बाद अयोध्या में चल रहे प्रसिद्ध चैत्र रामनवमी मेले में सुरक्षा का अलर्ट जारी कर दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय ने मंगलवार को बताया कि गोरखपुर की घटना को देखते हुए भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में चल रहे प्रसिद्ध चैत्र रामनवमी मेले में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गयी है। मेले की सुरक्षा के लिये भारी मात्रा में फोर्स की सुरक्षा की तैयारी की जा रही है। रामनगरी की सुरक्षा ए.टी.एस. को दे दी गयी है। कप्तान के मुताबिक सुरक्षा के साथ चेकिंग बढ़ा दी गयी है। मठ-मंदिरों सहित पूरे मेला क्षेत्र की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है।

अयोध्या में दो अप्रैल से रामनवमी मेला चल रहा है इसमें बड़ी संख्या में रामभक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। भक्तों का सर्वाधिक दबाव मठ-मंदिरों में होता है, इसको देखते हुए प्रमुख नगरों की सुरक्षा को सख्त कर दिया गया है। श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का मंदिर, प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर, कनक भवन मंदिर, नागेश्वरनाथ मंदिर, दशरथ महल, सरयू तट सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा घेरा मजबूत करते हुए सी.सी.टी.वी. के जरिये चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है। भीड़ को देखते हुए मंदिर में प्रवेश और निकासी द्वारा अलग-अलग बनाये गये हैं, ताकि भीड़ को नियंत्रण करने में आसानी हो और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा सके।

उन्होंने बताया कि प्रतिदिन हजारों भक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। ऐसे में रामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला की सुरक्षा व्यवस्था तो तगड़ी है ही इसके बावजूद भी सतर्कता बढ़ा दी गयी है। अयोध्या के आई.जी. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अयोध्या क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

गोरखपुर में सुरक्षा बल पर हुए हमले के बाद अयोध्या में भी सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। अयोध्या में चल रहे प्राचीन राम मंदिर मेले को लेकर संवेदनशीलता और बढ़ गयी है। अयोध्या के सभी प्रवेश द्वारों पर सभी सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें नया घाट, साकेत पेट्रोल पम्प, उदया चौराहा, टेढ़ी बाजार आदि पुलिस कर्मी हर आने जाने वाले वाहनों, संदिग्ध व्यक्ति व वस्तुओं की तलाशी ले रहे हैं। सघन तलाशी के बाद ही किसी को मेला क्षेत्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

रामनवमी मेले में भीड़ को देखते हुए श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दर्शन अवधि में तीन घंटे की वृद्धि भी की गयी है, जिसके चलते अधिक से अधिक दर्शनार्थी रामलला के दरबार में पहुंच रहे हैं। रामलला के दर्शन के लिये प्रथम पाली में डेढ़ घंटे और दूसरी पाली में भी डेढ़ घंटे का इजाफा किया गया है।

अब सुबह छह बजे से ही रामलला के दर्शन होंगे जो 11.30 तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। फिर उसके बाद दो बजे से रामलला का दर्शन श्रद्धालु 07.30 बजे तक कर सकेंगे। रामलला के दर्शन अवधि में इतना बड़ा इजाफा पहली बार हुआ है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन अवधि में बदलाव किया है। ऐसे में रात में श्रद्धालुओं की सुरक्षा किसी चुनौती से कम नहीं है। इसको लेकर भी सुरक्षा कर्मियों को मुस्तैद रहने के सख्त निर्देश दिया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक कवीन्द्र प्रताप सिंह, एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय ने पुलिस बल के साथ रामजन्मभूमि, रामकोट सहित सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने सुरक्षा में लगे जवानों को हर पल मुस्तैद रहने को कहा है। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि सुरक्षा में लापरवाही पायी गयी तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इस बीच अपर जिलाधिकारी/ मेलाधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मेला क्षेत्र में साफ-सफाई के अच्छी व्यवस्था की जा रही है। खोया पाया कैम्प लगाया गया है। पूरे मेला क्षेत्र में लाउड स्पीकर के द्वारा बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को मिलाया जा रहा है। जगह-जगह पर चूना छिडक़ाव तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प भी लगाये गये हैं।

खुद के खोने से लगता है डर : फैजल खान

लखनऊ। छोटे पर्दे पर नृत्य और अभिनय के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके फैजल खान को खुद के खोने का डर सताता है।

सोनी सब पर धारावाहिक धर्म योद्धा गरूड़ के प्रमोशन के सिलसिले में नवाब नगरी आये फैजल ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा खतरों के खिलाड़ी में काम करना मेरे जीवन का सर्वश्रेष्ठ अनुभव था। उस समय मैं 18 साल का था। मैने रियलिटी शो का भरपूर आनंद लिया।

फैजल ने कहा कि मुझे चुनौतीपूर्ण काम करने में मजा आता है लेकिन अगर डर की बात की जाये तो मुझे खुद के खोने से डर लगता है। कभी कभी इंसान अवसाद में चला जाता है। मनोरंजन की दुनिया में रह कर भी वह खुशी महसूस नहीं कर पाता। यह एक तरह से मेरे लिये खोने जैसा है। एक कलाकार की जिंदगी में ऐसी चीजे आती हैं क्योंकि वह अपने किरदार को निभाने के लिये अलग अलग चीजें करता रहता है। वह हमेशा ही दूसरे स्टारडम में रहता है।

अपने तर्क को पुख्ता करने के लिये उन्होने फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दिकी का उदाहरण देते हुये कहा नवाज सर फिल्म अथवा वेब सीरीज करते समय अपने किरदार में इतना उलझ जाते हैं कि उससे निकलने के लिये उन्हे काफी मेहनत करनी पड़ती है।

फैजल ने कहा मेरा ध्यान फिलहाल फिल्मो से बिल्कुल हटा हुआ है,यह बात अलग है कि मैं पढ़ना चाहता हूं मगर मैं नहीं चाहता कि मै कहीं पर भी कुछ ऐसी चीज करूं जिससे मैं फंस जाऊं। मैं चाहता हूं कि जिस जंगल में मैं हूं,वहां का मैं राजा बन कर रहूं। मैं टीवी में हूं और इसका पूरा लुफ्त उठाता हूं। हालांकि अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट आता है जिसमें मुझे लगता है कि इससे मेरा करियर बन सकता है तो मैं जरूर करूंगा।

धर्मयोद्धा गरूड़ में मुख्य किरदार निभा रहे फैजल ने कहा कि साढ़े सात किलो का परिधान और 12 किलो के पंख लगाने के बावजूद उन्हे गरूड़ का किरदार निभाने में मजा आ रहा है। इससे पहले महाराणा प्रताप की जीवन पर बने धारावाहिक में काम करने के अनुभव का लाभ उन्हे इस सीरियल में मिल रहा है।

मैनपुरी में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से चार मरे, 24 लोग घायल

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के औंछा थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से चार श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गयी जबकि 24 से अधिक घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बीती देर रात यह हादसा उस समय हुआ जब फिरोजाबाद के जसराना क्षेत्र के खडीत मिलावटी गांव निवासी श्रद्धालु शीतला देवी माता मन्दिर मैनपुरी से नैजा चढाकर वापस लौट रहे थे कि ग्राम नगला हार के पास मैनपुरी औंछा रोड पर ट्रैक्टर ट्राली पलट गयी। इस हादसे में मालती देवी (35),पुत्री गरिमा (10),रागिनी (16) और गीतादेवी (65) की मौत हो गयी जबकि अलका, रीना, सुंदरवती, लक्ष्मी, मीरा,कमलेश,चरण सिंह, छोटेलाल, ओमवती, सुषमा, जय देवी.केशवती, गुड्डी,संध्या, प्रिया, नीलेश, रिया समेत अन्य घायल हो गए।

स्थापना दिवस में ध्वजारोहण, शोभायात्रा का आयोजन करेगी भाजपा

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर बुधवार को उत्तर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। पार्टी के प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने बताया कि भाजपा के स्थापना दिवस पर कल छह अप्रैल को प्रदेश के सभी जिला व मंडल स्तर पर ध्वजारोहण (पार्टी का ध्वज) किया जाएगा। साथ ही शोभा यात्रा भी निकाली जाएगीं। शोभायात्रा के समापन के समय पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित

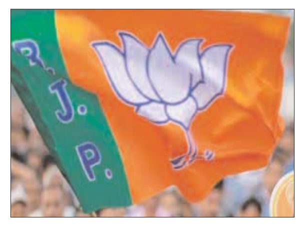

किया जाएगा जिसे एलईडी स्क्रीन व अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिये देखा और सुना जायेगा। पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सुबह नौ बजे ध्वजारोहण होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल समेत अन्य वरिष्ठ नेता पाटी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। छह अप्रैल से बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती 14 अप्रैल तक भाजपा द्वारा समरसता सप्ताह आयोजित कर सेवाकार्य किये जाएगें। सेवा कार्य के अन्तर्गत रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, अस्पतालों में फल वितरण का कार्य, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल व्यवस्था आदि के माध्यम से सेवा कार्य किये जाएगें। उन्होंने बताया कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता स्थापना दिवस के अवसर पर अपने घरों पर पार्टी का ध्वज लगाएगें। सभी मंत्री, सांसद/ विधायक, पार्टी पदाधिकारी, मोर्चों, प्रकोष्ठों एवं विभागों के पदाधिकारी, अपने-अपने मंडल/ जिला के कार्यक्रमों में सम्मिलित होगें। जबकि बूथ समिति, पन्ना प्रमुख सहित सभी मंडलों के नीचे के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर टेलीविजन/मोबाइल के माध्यम से प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुनेंगे।

विलुप्त हो चुकी नदियों को नया जीवन देने की कवायद शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विलुप्त हो चुकी नदियों और कुओं को नया जीवन देने की कवायद छह अप्रैल से नमामि गंगे परियोजना के तहत शुरू की जायेगी।

अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि नदियों को अविरल और निर्मल बनाने के लिये नामामि गंगे परियोजना के तहत छह अप्रैल से तीन मई के बीच विशेष अभियान चलाया जायेगा। विलुप्त हो चुके कुंओं को जिंदा करके रिर्चाजिंग वेल के रुप में विकसित करने और तालाबों को पुनर्जीवित कर उनके किनारे ग्राम वन स्थापित किये जाने की योजना बनाई गई है। गोमती नदी की 22 में से सूख चुकीं 19 सहायक नदियों को भी नया जीवन देना इसमें शामिल है। लोगों को जागरूक करने और नदियों का पुनजीर्वित करने के इस अभियान में लोक भारती और नेहरू युवा केन्द्र जैसी सामाजिक और सरकारी संस्थाएं साथ में आ गई है।

उन्होने बताया कि इस दौरान पीपल, बरगद, पाकड़, गूलर और आम के पेड़ों का नदियों के किनारे लगाने का अभियान भी चलेगा। विलुप्त हो चुके कुंओं को पुनर्जीवित करने और उनको रिचार्जिंग वेल में बदलने के लिए कुंओं की सफाई और उनके अंदर बरसात का पानी वापस जा सके इसकी व्यवस्था की जाएगी।

तालाबों के किनारे ग्राम वन बनाकर वहां उपयोगी और औषधीय पौधे लगाना भी ग्राम वासियों को सिखाया जाएगा।

गौरतलब है कि नमामि गंगे विभाग के सहयोग से लोक भारती और नेहरू युवा केन्द्र 6 अप्रैल से नदी एवं जल स्त्रोत संरक्षण अभियान की शुरुआत फतेहपुर से करने जा रहा है। नदियों की स्वच्छता एवं शपथ का कार्यक्रम ओम घाट ब्लाक भिटौरा में किया जाएगा।

सात अप्रैल को यह आयोजन जल स्त्रोत उत्सव के रूप में लखीमपुर खीरी में कठिना नदी भूईया देव घाट बिहारीपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह से प्रदेश भर में विलुप्त हो चुकी नदियों के किनारे बसे गांवों में आयोजन करने की रणनीति तैयार की गई है।

औरैया के खनन कारोबारियों के ठिकानों पर विजिलेंस का छापा

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया के जिलाधिकारी सुनील वर्मा को भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित किये जाने के एक दिन बाद ही उनके करीबी खनन कारोबारियों के ठिकानों पर मंगलवार को सतर्कता (विजिलेंस) विभाग की छापेमारी शुरु हो गयी।

इनमें वर्मा द्वारा औरैया रत्न से नवाजे गये खनन कारोबारी मखलू पांडेय और हरी तिवारी के ठिकानों पर विजिलेंस विभाग की टीमें छापेमारी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार छापेमारी की कार्रवाई के दौरान पांडेय और तिवारी को पूछताछ के लिए उनके घर में ही हिरासत में ले लिया गया है।

औरैया के सीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि विजिलेंस विभाग ने छापेमारी के लिये पुलिस बल की मांग की थी। मांग के अनुरूप विजिलेंस को पुलिस बल उपलब्ध करा दिया गया है।

समझा जाता है कि विजिलेंस की टीमों ने बीजलपुर घाट पर पांडेय और तिवारी की बालू खदानों पर भी छापेमारी की है।

राहुल गांधी ने अमेठी से जताया पुराना प्यार, नवरात्रि में मंदिरों के लिए भेजी चुनरी और पूजन सामग्री

एजेंसी

अमेठी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने नवरात्रि के इस मौके पर देवी मंदिरों के लिए पूजन सामग्री भेज कर अमेठी से अपना प्यार कम न होने का संकेत दिया है।

राहुल गांधी 15 वर्ष अमेठी से सांसद रहे, लेकिन 2019 के आम चुनाव में वह भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार गये। इस समय राहुल गांधी केरल के वायनाड से सांसद हैं। इस साल उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में राहुल और उनकी बहन प्रियंका दोनों ने ही पार्टी की कमान संभाली थी। इसके बावजूद अमेठी की चारों सीटों मे कही भी खाता नही खुल सका।

अमेठी में दो सीटें सपा और दो भाजपा ने जीती, सभी चारों सीटों पर कांग्रेस को भारी पराजय का सामना करना पड़ा था। चैत्र नवरात्र के महापर्व के इस मौके पर राहुल गांधी ने अमेठी के देवी मंदिरों के लिए पूजन सामग्री भेजी है जिसका मंदिरों तक पहुचाने का काम अमेठी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल कर रहे हैं।

कांग्रेस के जिला मीडिया प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि नवरात्र के पावन अवसर पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी एवं महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा अमेठी की सुख-समृद्धि हेतु जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों पर पूजन- अर्चन के लिए पूजन सामग्री भेजी गई है।

उक्त पूजन सामग्री को जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पदाधिकारियों द्वारा माँ कालिकन भवानी धाम संग्रामपुर, माँ देवी पाटन धाम अमेठी, माँ दुर्गनभावनी धाम भवनशाहपुर गौरीगंज, बूढन माता धाम गौरीगंज एवं समसेरियन धाम शाहगढ़ में मन्दिर के महंत/पुजारी के सानिध्य में माँ की चरणों में समर्पित किया गया।

योगी ने चुनाव के बाद पहली बार गोरखपुर में लगाया जनता दरबार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चुनाव के बाद पहली बार गोरखपुर में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्यायें सुनीं।

इस दौरान योगी ने गोरखधाम मंदिर में स्थित हिंदु सेवाश्रम में 'जनता दर्शन' के दौरान 95 लोगों की समस्यायें सुनकर उनके तत्काल समाधान के लिये संबद्ध अधिकारियों को निर्देश दिये। इस दौरान स्थानीय निवासी अनूप गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अपने तीन साल के बेटे श्रेयांश गुप्ता की किडनी की समस्या के बारे में बताया। योगी ने जिलाधिकारी को बच्चे के तत्काल समुचित इलाज की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में इससे पहले दिसंबर 2021 में जनता दरबार लगाया था। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक अपने कार्यालयों में सुनें। उनका निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित अवधि में करायें।

उन्होंने किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करने की ताकीद करते हुए जमीन संबंधी मामलों के निस्तारण में पुलिस का भी सहयोग लेने का निर्देश दिया। योगी ने कहा कि जिन मामलों का निस्तारण शासन स्तर पर ही किया जा सकता है, उन्हें निस्तारण के लिये लखनऊ भेजें। इसके साथ ही हर शिकायत को पोर्टल पर दर्ज कर अधिकतम एक माह में निस्तारण की व्यवस्था तय कर दी गई है।

गौरतलब है कि योगी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जिन जिलों और विभागों से ज्यादा शिकायतें आएंगी, वहां के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी। नौकरशाही पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई तेज करते हुए मुख्यमंत्री योगी अपने दूसरे कार्यकाल में जन शिकायतों एवं भ्रष्टाचार के मामले में अब तक दो जिलाधिकारियों और एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निलंबित कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थाने में आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित कराएं। खास तौर पर जमीन एवं राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण में विशेष ध्यान दिया जाए। जहां पुलिस बल की आवश्यकता हो, वहां तुरंत पुलिस उपलब्ध करायी जाये।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में जनता दर्शन का क्रम टूट गया था। दोबारा सरकार बनने पर योगी ने इस क्रम को जारी रखते हुए 95 स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान कराया। जनता दर्शन में मंडल आयुक्त रवि कुमार एनजी, जिलाधिकारी विजय किरण आनंद, डीआईजी जे रविंद्र गौड़, एसएसपी डॉ विपिन ताड़ा और मंदिर कैंप कार्यालय के प्रभारी मोतीलाल सिंह मौजूद रहे।

योगी लेंगे मंत्रियों से 100 दिन के काम की कार्ययोजना रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने नवगठित मंत्रिमंडल के सहयोगी मंत्रियों से मंगलवार को अगले 100 दिन में किये जाने वाले विभागीय कामों की कार्ययोजना रिपोर्ट लेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि योगी आज देर शाम मंत्रियों के साथ विभागीय कामों की समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें सभी मंत्रियों से अगले 100 दिन के काम का प्लान मांगा जायेगा। मुख्यमंत्री योगी अब मंत्रियों द्वारा दी गयी विभागवार कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण देख उसकी समीक्षा करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस कड़ी में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को शाम 6.30 बजे लोकभवन मे समीक्षा बैठक आहूत की है। गौरतलब है कि 25 मार्च को मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रिमंडल के सहयोगी मंत्रियों के साथ शपथ ग्रहण कर राज्य में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल का आगाज किया था। मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किये जाने के साथ ही योगी ने सभी मंत्रियों से उनके संबद्ध विभागों के अगले 100 दिन के कामों की कार्ययोजना रिपोर्ट देने को कह दिया था।

राशन दुकानों से अनाज लेने वालों के लिए इसी महीने मिलेगी बड़ी सौगात, सभी को मिलेगा हेल्थ कार्ड

लखनऊ। यूपी में राशन दुकानों से अनाज लेने वाले गरीबों को इस महीने एक और सौगात मिलने जा रही है। राशन दुकानों से ही गरीबों का हेल्थ कार्ड भी बनेगा। यह सुविधा प्रदेश के 40 लाख से अधिक अंत्योदय कार्ड धारकों को मिलेगी। उन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ देने के लिए स्टेट एजेंसी कांप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (सांचीज) द्वारा इसी माह विशेष अभियान शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। हर राशन की दुकान पर कियोस्क लगाकर अंत्योदय कार्डधारकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में राज्य के सभी अंत्योदय कार्डधारकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ देने का फैसला किया था। 22 जुलाई 2021 को इस संबंध में कैबिनेट से प्रस्ताव स्वीकृत हुआ था। योजना के तहत सभी अंत्योदय कार्ड धारकों को पांच लाख तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल सकेगी। सांचीज के पदाधिकारियों की मानें तो अभी तक करीब 25 फीसदी अंत्योदय कार्डधारकों के कार्ड बनाए जा चुके हैं।

इसी माह शुरू होगा अभियान

राज्य सरकार की प्राथमिकता में होने के कारण अब इस काम को तेजी से निपटाने का फैसला किया गया है। इसीलिए सभी राशन की दुकानों पर कियोस्क लगाकर गरीबों के कार्ड बनाए जाने का विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। यह अभियान इसी महीने के अंतिम सप्ताह में शुरू होगा।

1.18 करोड़ को मिला है आयुष्मान का सुरक्षा कवर

मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत गरीब तबके के लोगों को पांच लाख तक मुफ्त इलाज की सुविधा दी थी। प्रदेश में 1 करोड़ 18 लाख लोग आयुष्मान योजना में सुरक्षा कवर प्राप्त कर चुके हैं। बाकी बचे लोगों के लिए योगी सरकार द्वारा अपने स्तर से मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई थी। इसके तहत अंत्योदय कार्ड धारक परिवारों के साथ ही असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी पांच लाख तक मुफ्त इलाज देने की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

शार्ट न्यूज

नजारा टेक्नो ने बिटक्राफ्ट वेंचर्स में किया 25 लाख डालर का निवेश

मुंबई। निवेशक राकेश झुनझुनवाला की कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज ने मंगलवार को बताया कि वह वैश्विक स्तर पर गेमिंग कारोबार में अपनी उपस्थिति बढ़त बनाने के उद्देश्य से अमेरिका की गेमिंग क्षेत्र में निवेश करने वाली कंपनी बिटक्राफ्ट वेंचर्स में 25 लाख डालर लगाएगी। कंपनी ने सेबी को बताया, बिटक्राफ्ट वेंचर्स में नजारा 25 लाख डालर का निवेश करेगी, जिसमें से 8.75 लाख डालर प्रारंभ में ही दिए जाएंगे तथा शेष 16.25 लाख डालर की पूंजी तीन वर्षों में निवेश की जाएगी। वैश्विक गेमिंग बाजार और वेब-3 परियोजनाओं के क्षेत्र में निवेश के लिए बिटक्राफ्ट वेंचर्स एक अग्रिम निवेश मंच है। कंपनी ने कहा, नजारा के इस निवेश का उद्देश्य सीमित भागीदारी (एलपी) के साथ-साथ निवेशित कंपनियों के साथ एक नेटवर्क स्थापित करना है ताकि उसे वैश्विक गेमिंग क्षेत्र के परिवेश में अपनी उपस्थिति में विस्तार का अवसर प्राप्त हो सके। नजारा टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष अग्रवाल ने कहा, बिटक्राफ्ट वेंचर्स ने वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक-खेलों और गेमिंग क्षेत्र में सबसे होनहार निवेशकों में से एक के रूप में स्थापित किया है। हमारा यह निवेश विश्व में गेमिंग समुदाय को पोषित और सशक्त बनाने की हमारी लंबे समय की प्रतिबद्धता के तहत है। बिटक्राफ्ट वेंचर्स के संस्थापक साझेदारी माल्ते बार्थ ने कहा, नजारा के साथ हमारे लंबे समय के संबंध को देखते हुए हम इस साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित है, यह नजारा, बिटक्राफ्ट वेंचर की कंपनियों और एक मंच के तौर पर बिटक्राफ्ट वेंचर्स के लिए लाभ का सौदा है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी उच्च रणनीतिक भारतीय वीडियो गेम बाजार में संयोजकता को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

सूरजमुखी तेल और मूंग दाल महंगी, गेहूं सस्ता

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सूरजमुखी तेल में बढ़त को छोड़कर शेष अन्य खाद्य तेल के भाव पड़े रहे वहीं मूंग दाल महंगी हो गई जबकि गेहूं के दाम गिर गए। तेल-तिलहन ः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 168 रिंगिट उबलकर 6535 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.71 सेंट की तेजी लेकर 73.05 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय स्तर पर सूरजमुखी तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के दाम स्थिर रहे।दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भी लगभग स्थिरता रही। मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं चना दाल, चना, अरहर दाल, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गेहूं 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि चावल के भाव स्थिर रहे।

ताजा सौदों की लिवाली के कारण एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को एल्युमीनियम की कीमत 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 280.70 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये एल्युमीनियम का भाव 4.55 रुपये यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 280.70 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 2,502 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग बढ़ने के कारण कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से वायदा कारोबार में एल्युमीनियम कीमतों में तेजी आई।

स्टैंड-अप इंडिया योजना में छह साल में 30,160 करोड़ रुपये का कर्ज स्वीकृत

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पिछले छह साल में स्टैंड-अप इंडिया अभियान के तहत 30,160 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज मंजूर किये गये हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और जमीनी स्तर पर महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिये पांच अप्रैल, 2016 को स्टैंड-अप इंडिया योजना की शुरुआत की गयी थी। योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन है। वित्त वर्ष 2019-20 में स्टैंड-अप इंडिया योजना को वर्ष 2025 तक बढ़ा दिया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पिछले छह साल में स्टैंड-अप इंडिया के तहत 1,33,995 खातों में 30,160 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने योजना के छह साल पूरे होने के मौके पर अपने संदेश में कहा, ''योजना के लक्ष्य के तहत विभिन्न सुविधाओं से वंचित उद्यमी वर्ग के अधिक-से-अधिक लाभार्थियों को शामिल किया जाता है। इस प्रकार हम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस योजना के छह साल के दौरान एक लाख से अधिक महिला प्रवर्तकों को लाभ मिला है। सीतारमण ने कहा, ''सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने में इन उभरते उद्यमियों की क्षमता को समझती है। जो अपनी भूमिकाओं के माध्यम से न केवल धन का, बल्कि रोजगार के अवसरों का भी सृजन करते हैं।''

हाजिर मांग के कारण जस्ता वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की मांग में तेजी आने के कारण हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए वायदा बाजारा में मंगलवार को जस्ता की कीमत 5.05 रुपये की तेजी के साथ 354.50 रुपये किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल महीने की डिलिवरी के लिये जस्ता की कीमत 5.05 रुपये यानी 1.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 354.50 रुपये प्रति किलो हो गयी। इसमें 1,319 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग बढ़ने के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे जस्ता वायदा कीमतों में तेजी आई।

मजबूत हाजिर मांग से निकेल वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की बढ़ती मांग के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को निकेल की कीमत एक प्रतिशत की तेजी के साथ 2,525 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल माह में डिलिवरी वाले निकेल अनुबंध का भाव 25 रुपये यानी एक प्रतिशत की तेजी के साथ 2,525 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 187 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की बढ़ती मांग के कारण मुख्यतः यहां निकेल वायदा कीमतों में तेजी आई।

ताजा सौदों की लिवाली से बिनौलातेल खली कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को बिनौलातेल खली की कीमत छह रुपये की तेजी के साथ 3,191 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के अप्रैल माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत छह रुपये अथवा 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,191 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 63,190 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार में पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से मुख्यतः यहां बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी आई।

व्यापार समझौते के तुरंत बाद गोयल तीन दिन की आस्ट्रेलिया यात्रा पर

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने तीन दिन की दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा के लिए मंगलवार को प्रस्थान किया।

श्री गोयल की यह यात्रा पिछले शनिवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया द्वारा आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (इंडआस-एकता समझौतक) पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद हो रही है। वाणिज्य मंत्री श्री गोयल ने कहा, इस यात्रा के दौरान, मैं 'एकता' को आम लोगों तक ले जाऊंगा। श्री गोयल वहां व्यापार जगत की हस्तियों के अलावा भारतीय छात्रों और भारतीय मूल के लोगों तथा प्रवासी भारतीयों से मिलने वाले हैं।

श्री गोयल वहां ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन तेहान के साथ इस समझौते को अमल में लाने पर बात करेंगे। भारत ने एक दशक से अधिक समय के बाद किसी विकसित देश के साथ कोई मुक्त व्यापार समझौता किया है।

श्री गोयल मंगलवार शाम वहां ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के विशेष व्यापार दूत टोनी एबॉट के साथ भी बातचीत करेंगे।

इसके अलावा उनका सीमा शुल्क, सामुदायिक सुरक्षा और बहुसांस्कृतिक मामलों के सहायक मंत्री जेसन वुड,

आप्रवासन और बहुसांस्कृतिक मामलों के मंत्री एलेक्स हॉक, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रोजर कुक और अन्य मंत्रियों तथा नेताओं से मुलाकात का कार्यक्रम है।

श्री गोयल कल मेलबर्न विश्वविद्यालय और ऑस्ट्रेलिया भारत संस्थान का दौरा करेंगे और वहां मंत्री श्री तेहान के साथ एक परिचर्चा में भी भाग लेंगे ।

वह मेलबर्न क्रिकेट मैदान को भी देखने जाएंगे। वह मेलबर्न में भारतीय संवाददाताओं से वार्ता करेंगे तथा मंत्री श्री तेहान के साथ ऑस्ट्रेलिया-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ऑस्ट्रेड को भी संबोधित करेंगे। वह बाद में मेलबर्न में शिव विष्णु मंदिर जाएंगे और भारतीय प्रवासियों के साथ एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

श्री गोयल और श्री तेहान गुरुवार, सात अप्रैल को, सिडनी में न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करेंगे और विश्वविद्यालय परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। श्री गोयल बाद में भारत-ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स (आईएबीसीए) द्वारा आयोजित इमर्जिंग डायस्पोरा बिजनेस लीडर्स रिसेप्शन को संबोधित करेंगे। उस दिन शाम को, श्री गोयल, मंत्री डैन तेहान और आप्रवासन और बहुसांस्कृतिक मामलों के मंत्री मंत्री एलेक्स हॉक के साथ सिडनी में स्वामीनारायण मंदिर में एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

शुक्रवार, आठ अप्रैल को श्री गोयल सिडनी जाएंगे। वह पर्थ में उप प्रधानमंत्री रोजर कुक और कुछ अन्य नेताओं से मिलेंगे तथा शाम को कम्युनिटी सेंटर इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के कार्यक्रम में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे।

इस यात्रा के दौरान श्री गोयल ऑस्ट्रेलियाई कृषि उत्पादकों से भी मिलेंगे ।

ऑस्ट्रेलिया भारत का 17वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और भारत ऑस्ट्रेलिया का 9वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। नए व्यापार समझौते के तहत दोनों पक्षों ने अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 27.5 अरब अमेरिकी डालर से बढ़ा कर 45-50 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

शेयर बाजार की तेजी थमी, निफ्टी 18 हजार अंक से नीचे

मुंबई। रूस पर आर्थिक प्रतिबंध से एशियाई बाजारों में आई तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, रिलायंस, एसबीआई और मारुति जैसी दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार की पिछले दिवस की तेजी पर ब्रेक लग गया और निफ्टी 18 हजार अंक से नीचे बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 435.24 अंक लुढ़ककर 60 हजार अंक के पार 60176.50 अंक पर टिकने में सफल रहा लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 96 अंक टूटकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 17957.40 अंक पर आ गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली हुई, जिसने बाजार को और अधिक गिरने से बचाया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 1.28 प्रतिशत की

तेजी लेकर 25,072.44 अंक और स्मॉलकैप 1.37 प्रतिशत की छलांग लगाकर 29,582.49 अंक पर रहा।

बीएसई में कुल 3507 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2345 हरे जबकि 1056 लाल निशान पर रहे वहीं 106 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 25 कंपनियों में लिवाली जबकि 24 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

इस दौरान वित्त 1.25, बैंकिंग 1.33, रियल्टी 0.16 और टेक समूह की 0.15 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष 15 समूहों में तेजी रही। पावर समूह सबसे अधिक 3.38 प्रतिशत की बढ़त पर रहे। इनके अलावा यूटिलिटीज 3.34, एफएमसीजी 1.26, इंडस्ट्रियल्स 1.71, ऑटो 1.12 और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समूह के शेयर 2.51 प्रतिशत चढ़ गए।

वैश्विक बाजार में मिलाजुला रुख रहा। एशियाई बाजारों में जहां तेजी रहीं वहीं यूरोपीय बाजार गिर गए। जापान का निक्केई 0.19, हांगकांग का हैंगसैंग 2.10 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.94 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं ब्रिटेन का एफटीएसई 0.17 और जर्मनी का डैक्स 0.13 प्रतिशत उतर गया।

कारोबार की तेज शुरुआत करते हुए सेंसेक्स 174 अंक चढ़कर 60,786.07 अंक पर खुला और यही दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। उतार-चढ़ा से गुजरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में बिकवाली के दबाव में यह 60,067.18 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 60,611.74 अंक की तुलना में 0.72 प्रतिशत गिरकर 60,176.50 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी की शुरुआत भी सकारात्मक रही और यह 27 अंक बढ़कर 18,080.60 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 18,095.45 अंक के उच्चतम जबकि 17,921.55 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 18,053.40 अंक के मुकाबले 0.53 प्रतिशत उतरकर 17,957.40 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक 2.98 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इसके अलावा शेष 16 कंपनियों के शेयर 0.02 से 2.14 प्रतिशत तक की गिरावट पर रहे। वहीं, एनटीपीसी ने सर्वाधिक 3.40 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही शेष 12 कंपनियों के शेयर 0.17 से 2.48 प्रतिशत तक की बढ़त पर रहे।

एप्सिलॉन 1,200 करोड़ रुपये से बनाएगी दुनिया का पहला नॉड्यूल प्रसंस्करण संयंत्र

मुंबई। कार्बन ब्लैक उत्पादक एप्सिलॉन कार्बन ने कैथोड क्षेत्र में कदम रखने की योजना के तहत 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से दुनिया का पहला पॉलिमेटेलिक नॉड्यूल संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस संयंत्र के लिए नॉड्यूल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एप्सिलॉन ने एक अमेरिकी कंपनी के साथ करार भी किया है। एप्सिलॉन ने मंगलवार को नैस्डेक में सूचीबद्ध 'द मेटल्स कंपनी' (टीएमसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। लिथियम आयन बैटरियों के लिए कैथोड बनाने में कच्चे माल के तौर पर नॉड्यूल का इस्तेमाल होता है। गहरे समुद्र की तलहटी में कई धातुओं से भरपूर नॉड्यूल पाए जाते हैं। एप्सिलॉन के प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक विक्रम हांडा ने कहा कि इस करार के तहत टीएमसी 10 लाख टन नॉड्यूल की आपूर्ति करेगी। इससे प्रस्तावित संयंत्र में 30,000 टन कैथोड बनाए जाएंगे जो वर्ष 2025 तक 25 गीगावॉट की क्षमता पैदा कर सकते हैं। करार की शर्तों के मुताबिक, दोनों ही कंपनियां गहरे समुद्र में पाए जाने वाले नॉड्यूल के प्रसंस्करण का वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित करने की व्यवहार्यता का अध्ययन भी कराएंगी। हांडा ने कहा कि दोनों कंपनियां 1,200 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से दुनिया का पहला वाणिज्यिक पॉलिमेटेलिक नॉड्यूल प्रसंस्करण संयंत्र मिलकर स्थापित करेंगी। इसके लिए समूचा निवेश एप्सिलॉन कार्बन ही करेगी। हांडा ने कहा कि प्रस्तावित संयंत्र को लेकर कई राज्यों के साथ बात चल रही है और जल्द ही संयंत्र की जगह के बारे में कोई फैसला होने की उम्मीद है। उन्होंने इस वित्त वर्ष के अंत तक संयंत्र का निर्माण शुरू होने और 2025 तक संचालन शुरू होने की उम्मीद जताई है। हालांकि, घरेलू स्तर पर किसी भी कंपनी के लिथियम-आयन बैटरी उत्पादन में शामिल नहीं होने से कैथोड की घरेलू मांग शून्य ही है लेकिन वर्ष 2030 तक इसका बाजार बढ़कर एक लाख टन हो जाने की संभावना है। इस मौके पर टीएमसी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गेरार्ड बैरन ने कहा कि भारत सरकार कम लागत वाली एवं पर्यावरणानुकूल अर्थव्यवस्था के विकास के लिए प्रयासरत है और पॉलिमेटेलिक नॉड्यूल संकलन व्यवस्था के विकास से यह झलकता भी है।

अमेरिकी कंपनी ट्राइटन गुजरात में 10,800 करोड़ रुपये के निवेश से वाणिज्यिक ईवी संयंत्र लगाएगी

अहमदाबाद। अमेरिकी कंपनी ट्राइटन इलेक्ट्रिक वेहिकल एलएलसी ने गुजरात सरकार के साथ कच्छ जिले के भुज में एक वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए करार किया है। इसकी संयंत्र की स्थापना पर कुल 10,800 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि समझौते के अनुसार, ट्राइटन इलेक्ट्रिक वाहन 645 एकड़ भूमि पर संयंत्र स्थापित करेगी। इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50,000 ट्रक की होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मौजूदा नीति के तहत इस संयंत्र की स्थापना के लिए आवश्यक मंजूरी और पंजीकरण प्रक्रिया में मदद करेगी।

ट्राइटन इलेक्ट्रिक वेहिकल चालू वित्त वर्ष में 1,200 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश के साथ संयंत्र शुरू करेगी। कंपनी का कुल निवेश 10,800 करोड़ रुपये होगा। बयान में कहा गया है कि संयंत्र लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा।

भारतीय नाविकों की हिस्सेदारी में 25 प्रतिशत की वृद्धि: सोनोवाल

नयी दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि 2016 से 2019 के बीच विश्व जहाजरानी सेवा क्षेत्र में भारतीय नाविकों की हिस्सेदारी में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

श्री सोनोवाल ने यह भी कहा कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार की ओर से किए गए उपायों से भारतीय क्रूज उद्योग का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि एक दशक में भारतीय क्रूज बाजार में बढ़ती हुई मांग और खर्च करने योग्य आय में वृद्धि के कारण आठ गुना बढ़ोतरी होने की क्षमता है। श्री सोनोवाल 59वें राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह के अवसर पर

एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जहाजरानी मंत्री ने कहा कि सरकार लॉजिस्टिक लागत को कम करने और शिपिंग की सुविधा के लिए कारोबार सुगमता को बढ़ावा दे रही है तथा जहाजरानी की दुनिया में अग्रणी स्थिति हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारी चुनौतियों के बावजूद भारतीय नाविकों ने पूरे साहस के साथ विश्व में भारत का झंडा लगातार ऊंचा रखा। उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चालू रखने में भारतीय नाविकों द्वारा निभाई गई भूमिका का इस तथ्य से ही अनुमान लगाया जा सकता है कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप के दौरान भी वर्ष 2021 में भारतीय और विदेशी जहाजों पर 2,10,000 से अधिक भारतीय नाविकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

श्री सोनोवाल ने कहा कि जहाजरानी क्षेत्र भारत में कार्बन उत्सजर्न को 2070 तक 'निवल शून्य' करने के लक्ष्य को देखते हुए इस वर्ष के कार्यक्रम का विषय भारतीय समुद्री उद्योग को निवल शून्य कार्बन उत्सजर्न की ओर प्रेरित करना रखा गया है।

आज के कार्यक्रम की शुरुआत राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर द्वारा सफदरजंग मकबरे पर सुबह वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ हुई।

इस अवसर पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, महानिदेशक शिपिंग, पत्तन अधिकारी और जहाजरानी क्षेत्र के संस्थानों के लगभग 600 प्रशिक्षु कैडेट और मर्चेंट नेवी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

आज से 103 वर्ष पहले पांच अप्रैल 1919 को एसएस लॉयल्टी नामक पहला जहाज भारतीय ध्वज के साथ मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। उसी के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह मनाया जाता है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत 30,160 करोड़ से अधिक की कर्ज सहायता

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सरकार की स्टैंड-अप इंडिया के तहत बीते छह वर्षों में 1,33,995 से अधिक खातों में 30,160 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सहायता की मंजूरी दी गयी है।

योजना के छह वर्ष पूरे होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को वित्त मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी) के उद्यमियों के 19,310 में 3976.84 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 6,435 खातों में 1373.71 करोड़ रुपये और महिलाओं के 1,08,250 खातों में 24,809.89 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए गए हैं।

स्टैंड-अप इंडिया कार्यक्रम पांच अप्रैल 2016 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य महिलाओं एवं एससी और एसटी समुदाय के लोगों में उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा उन्हें विनिर्माण, सेवा या व्यापार क्षेत्र एवं कृषि जैसे क्षेत्रों में नए उद्यम शुरू करने के लिए सहायता प्रदान करना है। इस योजना में वाणिज्यिक बैंकों को प्रत्येक बैंक शाखा से एससी/एसटी समुदाय के कम से कम एक व्यक्ति को और कम से कम एक महिला को उद्यम के लिए 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि हम स्टैंड-अप इंडिया योजना की छठी वर्षगांठ मना रहे हैं, जिसमें यह देखना सुखद है कि इस योजना के तहत रोजगार के अवसर पैदा करने वालें 1.33 लाख से अधिक उद्यमियों को अब-तक सुविधा दी गई है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के छह वर्षों के दौरान उद्यमग सुरू करने वाली एक लाख से अधिक महिला प्रवर्तकों को सहायता दी गयी है। बयान में कहा गया है कि सरकार आर्थिक विकास को गति देने में इन उभरते उद्यमियों की क्षमता को समझती है, जो अपनी भूमिकाओं के माध्यम से न केवल धन का, बल्कि रोजगार के अवसरों का भी सृजन करते हैं।

वित्त मंत्री ने कहा है कि इस योजना में विभिन्न सुविधाओं से वंचित वर्ग के उद्यमियों को अधिक से अधिक लाभार्थियों को शामिल किया जाता है।

देश में पिछले 15 दिन में 13वीं बार हुयी पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 15 दिन में 13वीं बार जीवाश्म ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुयी है। इस दौरान पेट्रोल-डीजल के दामों में 9.25 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने मंगलवार को इन दोनों जीवाश्म ईंधन के दामों मंगलवार को फिर से बढ़ोतरी की।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल-डीजल के दामों में 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गयी। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल 104.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल के 95.87 रुपये प्रति लीटर के दाम से बिक रहा है। वहीं, मुंबई में आज हुयी वृद्धि के बाद

पेट्रोल की कीमत 119.67 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 103.92 रुपये प्रति लीटर पर है।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद 22 मार्च 2022 से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों ने 24 मार्च और 01 अप्रैल को छोड़कर हर दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.21 प्रतिशत से बढ़कर 108.83 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 104.72 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

नोएडा प्राधिकरण डेवलपरों को देगा संपत्ति गिरवी रखने की सशर्त मंजूरी

नोएडा। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में सक्रिय बिल्डर अगर रियल एस्टेट सहायता कोष से मदद पाने के लायक पाए जाते हैं तो उन्हें संपत्तियों को गिरवी रखने की मंजूरी दी जाएगी।

दिल्ली में सामाजिक न्याय का प्रतीक अन्ना-कलैगनार अरिवलयम, जानें क्या है खासियत

नोएडा विकास प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि उसके बोर्ड की सोमवार को संपन्न बैठक में यह फैसला लिया गया। इस बैठक में रियल एस्टेट डेवलपरों को संपत्ति गिरवी रखने की मंजूरी देने के साथ ही बकाया भुगतान को पुनर्निर्धारित करने का फैसला भी लिया गया।

केंद्र सरकार ने नवंबर, 2019 में स्थगित आवासीय परियोजनाओं का काम पूरा करने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक सहायता कोष गठित किया था। इस कोष के निवेश प्रबंधन का दायित्व एसबीआई-कैप को दिया गया है।

किफायती एवं मध्यम आय वाली आवासीय परियोजनाओं के लिए विशेष खिड़की (स्वामी) नाम के इस कोष से 1,500 से अधिक अटकी पड़ी योजनाओं को पूरा किया जाना है जिनमें 4.58 लाख से अधिक फ्लैट प्रस्तावित हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, इस कोष से अब तक ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की तीन आवासीय परियोजनाओं को आर्थिक मदद मिल चुकी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा दोनों ही उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में आते हैं।

नोएडा प्राधिकरण ने बयान में कहा, ''स्वामी कोष के तहत मदद के लिए एसबीआई-कैप से प्रस्ताव मिलने के बाद संबंधित बिल्डर को संपत्ति गिरवी रखने की मंजूरी दी जाएगी।''

इसके साथ ही प्राधिकरण ने बकाया राशि के पुनर्भुगतान के लिए उन बिल्डर परियोजनाओं को नया कार्यक्रम तय करने की भी मंजूरी देने की घोषणा की है जिनके अंतिम भुगतान का समय पहले ही बीत चुका है।

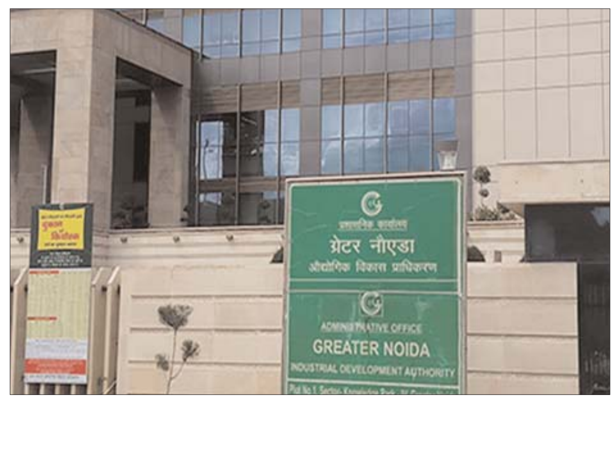

शार्ट न्यूज

खेल स्टेडियमकर्मियों का पारिश्रमिक बढ़ा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने खेल स्टेडियमों में ग्राउंडमैन, चौकीदार, माली, स्वीपर आदि का पारिश्रमिक पांच हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया है। खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस फैसले से लगभग 254 ग्राउंड्समैन और 203 चौकीदार कम माली व स्वीपर्स को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बार खेलों के बजट में भी वृद्धि करते हुए इसे 540 करोड़ से अधिक कर लिया है।

सुमित थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में, गौरव बाहर

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज सुमित सांगवान ने मंगलनवार को थाईलैंड के फुकेत में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि गौरव चौहान को हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती दौर में बाई मिलने के बाद अपना पहला मैच खेलते हुए सुमित पूरे मैच में अच्छी लय में दिखे। उन्होंने पुरुषों के 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के तैमूर नर्सिटोव पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। दूसरी ओर गौरव (91 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन कजाकिस्तान के एबेक ओरलबे के खिलाफ 1-4 से हार के साथ अपना अभियान समाप्त किया। एशिया, यूरोप, ओशिनिया और अफ्रीका के 74 पुरुष और 56 महिलाओं सहित 130 शीर्ष मुक्केबाजों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट में सुमित चौथे भारतीय सेमीफाइनलिस्ट बन गए हैं। अन्य तीन भारतीयों में मोनिका (48 किग्रा), आशीष कुमार (81 किग्रा) और मनीषा (57 किग्रा) शामिलहैं, जो पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

चेतेश्वर पुजारा के काउंटी चैंपियनशिप में खेलने में होगी देर

लंदन। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव से उत्पन्न वीज़ा संबंधित मुद्दों के चलते भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ससेक्स का पहला काउंटी चैंपियनशिप मुक़ाबला नहीं खेल पाएंगे। हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम से ड्रॉप होने और बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंधों में पदावनत होने के बाद पुजारा ने ससेक्स के लिए उनके पहले छह काउंटी मुक़ाबले और बाद में रॉयल लंदन कप के सीमित ओवर मैच और क्लब के एक बयान के अनुसार कुछ अन्य चार-दिवसीय मुक़ाबले खेलने का फ़ैसला किया था। उम्मीद जताई जा रही थी कि पुजारा गुरुवार को नॉटिंघमशायर के ख़िलाफ़ पहले मुक़ाबले तक पहुंचकर इस सीज़न की शुरुआत करते लेकिन वीज़ा मिलने में देरी के चलते अब वह अगले हफ़्ते डर्बीशायर के विरुद्ध मैच ही खेल सकेंगे। ससेक्स के परफ़ॉर्मेंस डायरेक्टर कीथ ग्रीनफ़ील्ड ने कहा, मौजूदा हालात में विदेशी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने में काफ़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हमने पुजारा के साथ अनुबंध में कुछ बदलाव किए थे ताकि वह और काउंटी मैच और रॉयल लंदन 50-ओवर मुक़ाबलों के लिए लौट सकें और इससे उनके वीज़ा में भी कुछ बदलाव करने पड़े थे।

विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी कप्तानों की योजनाओं को बिगाड़ सकते हैं बटलर : मोर्कल

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर मोर्ने मोर्कल का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के स्टार सलामी बल्लेबाज जोस बटलर उन बल्लेबाजों में से एक हैं जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी कप्तानों की योजनाओं और रणनीतियों को बिगाड़ सकते हैं। मोर्कल ने मंगलवार को स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर आईपीएल 2022 के पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बटलर के मैच विजयी शतक के बारे में कहा, कभी-कभी गेंदबाजी इकाई को कहना पड़ता है कि यह बटलर का दिन है और शो का आनंद लें, लेकिन आपको जल्दी उनके जैसे बल्लेबाज को आउट करने का रास्ता ढूंढ़ने की जरुरत है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर ने कहा, मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में वह शानदार तरीके से खेले और शतक जड़ा। उन्होंने सभी शॉट खेले और ग्राउंड के चारों ओर खेले। उन्होंने शुरुआत में गति और उछाल के अभ्यस्त होने के लिए अपना समय लिया, लेकिन उसके बाद उन्होंने चौके और छक्कों की बौछार कर दी। ऐसे में आप उन्हें रोक नहीं सकते।

बूस्ट का ताजा अभियान 'स्टेमिना स्टार्स' दिखाता है कि 'गेम छोटे बड़े ग्राउंड का नहीं, स्टेमिना का होता है'

नयी दिल्ली। भारत के सबसे भरोसेमंद हैल्थ फूड ड्रिंक ब्रांड्स में से एक, बूस्ट ने क्रिकेट की दुनिया में छिपे हुए रत्नों को सम्मानित करने के लिए एक अभियान लॉन्च किया है। इस अभियान में नए खिलाड़ी, जैसे यशस्वी जायसवाल , रुतुराज गायकवाड़, आवेश खान, उमरान मलिक, और रविश्रीनिवासन साई किशोर को दिखाया गया है, जो मुश्किलों के बावजूद सीमाओं को बढ़ाते रहे। इस एड फिल्म में इन खिलाड़ियों के संघर्षों को दिखाया गया है, जो अपने दृढ़ निश्चय, साहस और असीम धैर्य के बूते साबित कर देते हैं कि 'गेम बड़े या छोटे ग्राउंड का नहीं, गेम स्टेमिना का होता है।'
इस अभियान में उन मुश्किलों को दिखाया गया है, जिन्हें पार करके बूस्ट के स्टेमिना स्टार्स वहां तक पहुंचे हैं, जहां वो आज खड़े हैं। इस ब्रांड ने नए खिलाड़ियों के स्टेमिना के अद्वितीय सफर का चित्रण किया है, जैसे रुतुराज ने अंगूठे की चोट के बाद वापसी करके सभी लोगों को अचंभित कर दिया है। खेल का सही मैदान न मिल पाने जैसी मुश्किल के बाद भी यशस्वी और उमरान हतोत्साहित नहीं हुए और हर रोज प्रैक्टिस करते रहे। उन्होंने अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया, मुश्किलों का सामना किया और पारंपरिक तरीकों को छोड़कर अपने सपनों का पीछा किया। जहां आवेश ने क्रिकेट के स्टेडियम तक आने के लिए 25 किलोमीटर तक साईकल चलाई, वहीं साई किशोर ने अपने तकनीकी कौशल से स्थानीय गलियों और स्टंप्स पर हलचल मचा दी।

डीडीसीए खेल सचिव को उनके स्कूली खिलाडियों की एल्युमनी ने सम्मानित किया

नयी दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के खेल सचिव सिद्वार्थ साहिब सिंह वर्मा और पूर्व महिला टेस्ट क्रिकेटर अमिता शर्मा को आज लूडलो केसिल स्कूल शंकराचार्य एल्युमनी द्वारा सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपने क्रिकेट कोच व गुरू विजय कुमार को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि सिद्वार्थ साहिब सिंह वर्मा ने अपने चार वर्ष आईपी कालेज के पीछे स्थित लूडलो केसिल स्कूल शंकराचार्य मार्ग पर बिताए थे। उस समय पर यह स्कूल शिक्षा और खेल में बहुत अव्वल हुआ करता था। इस दौरान लूडलो केसिल स्कूल शंकराचार्य एल्युमनी में शामिल पूर्व खिलाडियों ने सिद्वार्थ साहिब वर्मा और अंतराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में छाप छोडने वाली तेज गेंदबाज अमिता शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का संचालन पूर्व क्रिकेटर व साफटबाल खिलाडी रेनू चौधरी और दीपक चुग ने किया। यह सभी अपने स्कूली शिक्षा के 25 वर्षों बाद मिलें।

हमने पहले मैच की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया : विलियमसन

मुंबई। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सोमवार को यहां 2022 आईपीएल के 12वें मैच में हार के बाद कहा कि अगर आप प्रदर्शन को देखें तो निश्चित रूप से पहले मैच की तुलना में इस मैच में काफी सुधार हुआ है। विलियमसन ने मैच के बाद कहा, मैच हमारे हाथों से चला गया। हमने पहले मैच की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। पावरप्ले में तीन विकेट लेकर हम एक मजबूत स्थिति में थे। अगर हम लोकेश राहुल और दीपक हुड्डा की साझेदारी को तोड़ देते तो अच्छा होता। हम जीत के करीब तो पहुंचे, लेकिन जीत नहीं पाए।

दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनीं एलिसा हीली

एजेंसी

दुबई। न्यूजीलैंड में रविवार को संपन्न 2022 आईसीसी महिला विश्व कप की सर्वाधिक रन स्कोरर रहीं ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गईं हैं। हीली ने रविवार को विश्व कप फाइनल में 170 रन की यादगार पारी की बदौलत चार स्थानों की छलांग के साथ मंगलवार को जारी आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा किया है।
उल्लेखनीय है कि 32 वर्षीय हीली ने 103.66 के स्ट्राइक रेट से दो शतकों और दो अर्धशतकों समेत कुल 509 रनों के साथ शीर्ष रन स्कोर रहते हुए अपना 2022 महिला विश्व कप अभियान समाप्त किया था। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 2022 विश्व कप फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के चलते 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार दिया गया था।
हीली के साथ चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टॉप छह में बरकरार हैं, जिनमें बेथ मूनी, कप्तान मेग लैनिंग और राचेल हेन्स शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि हेन्स 497 रनों के साथ हीली के बाद 2022 महिला विश्व कप की दूसरी सर्वाधिक रन स्कोरर रही थीं। रैंकिंग में मूनी तीसरे, लैनिंग पांचवें और हेन्स छठे स्थान पर मौजूद हैं।

इस बीच इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नताली साइवर को भी रैंकिंग में तीन स्थानों का फायदा हुआ है। साइवर 2022 विश्व कप फाइनल में 148 रनों की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं हैं। टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के चलते उन्हें ऑलराउंडर रैंकिंग में भी फायदा हुआ है।
वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी को पछाड़ कर नंबर एक ऑलराउंडर बन गईं हैं। नताली ने टूर्नामेंट में बल्ले के साथ 436 रन के अलावा गेंदबाजी में चार विकेट भी लिए थे।
इस बीच इंग्लैंड की लेफ्ट आर्म स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों गेंदबाजों ने 2022 महिला विश्व कप में सबसे बढ़िया गेंदबाजी की थी।
सोफी जहां 21 विकेटों के साथ टूर्नामेंट की सर्वाधिक विकेट टेकर रहीं थीं, वहीं शबनीम 14 विकेट चटका कर दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजी बनीं थीं। इंग्लैंड की अनुभवी स्विंग-गेंदबाज अन्या श्रुबसोल को गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ हैं। विश्व कप के सेमीफाइनल में 27 रन पर दो और फाइनल में 46 रन पर तीन विकेट के शानदार प्रदर्शन के बाद वह पांच स्थानों की छलांग से आठवें नंबर पर पहुंच गईं हैं।
इसके अलावा भारतीय कप्तान मिताली राज निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान नीचे खिसक कर सातवें स्थान पर आ गईं हैं, जबकि उनकी हमवतन स्मृति मंधाना एक स्थान के फायदे से नौवें नंबर पर पहुंच गईं हैं।

आवेश ने एक बार फ़िर साबित की अपनी क़ीमत

मुंबई। तेज गेंदबाज आवेश ख़ान ने पिछले सीज़न में एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण के सानिध्य में गेंदबाज़ी की थी, जिसमें एनरिक नोर्त्जे , कैगिसो रबादा, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल सरीखे गेंदबाज़ थे। इसके बाजूद दिल्ली कैपिटल्स के लिए डैथ ओवरों में सबसे ज़्यादा गेंदबाज़ी आवेश ख़ान ने ही की थी। इतना ही नहीं पूरे आईपीएल सीज़न में आवेश ख़ान के मुक़ाबले डैथ ओवरों में सबसे ज़्यादा गेंदबाज़ी सिर्फ़ हर्षल पटेल ने ही की थी। डैथ ओवरों में गेंदबाज़ी न सिर्फ़ उनकी अपनी टीम के सदस्यों से ज़्यादा थी, बल्कि इस मामले में वह जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार और ड्वेन ब्रावो समेत कई गेंदबाज़ों से भी आगे थे। नीलामी के दौरान आवेश ख़ान को अपने कुनबे में शामिल करने की मारामारी उन्हीं 23 ओवरों के लिए हुई थी, जिसमें आवेश ने प्रति ओवर 9 रन के औसत से भी कम खर्च किए थे। यह भी एक इत्तेफ़ाक ही है कि नीलामी के समय आवेश को खरीदने के लिए

लखनऊ की टीम के साथ ज़ोर लगाने वाली सनराइज़र्स हैदराबाद को ही आवेश की धारदार गेंदबाज़ी के सामने घुटने टेकने पड़े।
इस मैच से पहले आवेश लखनऊ के लिए पदार्पण करते हुए अंतिम ओवर में दस रन बचाने में नाकाम रहे थे, जिस वजह से आवेश उदास भी हो गए थे। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि आईपीएल में डैथ ओवरों के दौरान गेंदबाज़ी करते हुए आप अपनी टीम के लिए हर मैच नहीं जीत सकते। हैदराबाद के ख़िलाफ़ अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए आवेश ने कहा, मुझे पता था कि आईपीएल में मुझे कम से कम 14 मैच खेलने को मिलेंगे और मेरे सामने और भी मौके आएंगे।

विशेष ओलंपिक भारत के मेगा हेल्थ फेस्ट का आयोजन संपन्न

एजेंसी

नयी दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विशेष ओलंपिक भारत द्वारा मंगलवार को कड़कड़डूमा दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसे मेगा हेल्थ फेस्ट का नाम दिया गया। सुबह से शाम तक अमर ज्योति स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में चले इस विशेष कैंप में कुल 600 एथलीटों की स्वास्थ्य जांच की गयी।
विशेष ओलंपिक भारत एक मान्यता प्राप्त संगठन है, जिसकी अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा हैं,ने बताया कि विशेष ओलंपिक भारत राष्ट्रीय खेल संघ, युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत खेल के माध्यम से बौद्धिक विकलांग बच्चों और वयस्कों के खेल और अन्य जीवन कौशल के विकास के लिए काम करता है।
इस मौके पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह थे । वहीं, यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कौशाम्बी के डायरेक्टर डॉ उपासना अरोड़ा एवं प्रबंध निदेशक डॉ पी एन अरोड़ा के कुशल निर्देशन में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल,कौशांबी, गाजियाबाद के डॉक्टरों एवं टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस बात की जानकारी हॉस्पिटल के कॉरपोरेट कम्युनिकेशन हेड गौरव पांडेय ने दी।
कार्यक्रम के प्रथम चरण के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने कहा कि यह शिविर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विशेष ओलंपिक भारत द्वारा, खेल मंत्रालय भारत सरकार की की गई एक सकारात्मक पहल है, जिसके तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन देशव्यापी पैमाने पर किया जा रहा है। जनरल वीके सिंह ने कहा कि फौज में भी हम इस तरह का अभियान चलाते हैं जिसमें युद्ध में या अभ्यास के दौरान घायल हुए सैनिकों को उनकी किसी भी प्रकार की विकलांगता को ध्यान में रखते हुए उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है और उन्हें खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे कि उनकी शारीरिक क्षमता को पुन: उसी तरह का बनाया जा सके जैसे कि पहले थी। उन्होंने कहा कि पैरालम्पिक गेम्स एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट है, जिसमें शारीरिक अक्षमता के साथ एथलीटों को शामिल किया गया है, जिसमें विकलांगताएं वाली मांसपेशियों की शक्ति, गतिहीन निष्क्रिय सीमाएं, अंग की कमी, पैर की लंबाई में भिन्नता, लघु कद, हाइपरटोनिया, एनेटिक्स, अस्थिटोसिस, दृष्टि हानि और बौद्धिक हानि आदि प्रमुख हैं।
कार्यक्रम के द्वितीय चरण के मुख्य अतिथि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे ने इस अवसर पर कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है कि यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल इस राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन देशव्यापी पैमाने पर कर रहा है।
ऐसी पहल से में बहुत से ऐसे बच्चों की थोड़े से ही प्रोत्साहन से अपने जीवन में और अपने आस पास के लोगों के लिए एक बहुत बड़ा उदाहरण बनते हुए देखा है। इन एथलीटों को विकसित करने और बनाने में मदद करने के लिए विशेष ओलंपिक भारत द्वारा किये गए इस पहल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह देश को अत्यंत गौरव एवं ख्याति की प्राप्ति होगी, ऐसी मेरा अनुमान, मंशा एवं शुभकामनाएं हैं। डॉ पण्डे ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने बहुत सराहनीय कदम उठाया इन्हें दिव्यांग नाम देकर। पहले विकलांग बोलने से हीन भावना आती थी लेकिन अब इनको समाज में एक नयी पहचान मिली है। इन सब के हुनर को पहचान मिली है और अब ये देश का नाम रोशन करेंगे ।
वहीं, हॉस्पिटल के संचार प्रमुख गौरव पांडेय ने बताया कि इन विशेष एथलीट बच्चों को प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करने के लिए विशेष ओलंपिक स्क्रीनिंग और छह स्वास्थ्य विषयों जैसे आंखों की देखभाल, मौखिक स्वास्थ्य, हड्डी एवं जोड़ रोग स्वास्थ्य, बाल रोग, भौतिक चिकित्सा, पोषण से सम्बंधित जाचें एवं परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक ओम प्रकाश शर्मा, श्याम सुन्दर अग्रवाल, महापौर, पूर्वी दिल्ली एवं अमर ज्योति चैरिटेबल स्कूल की श्रीमती उमा तुली विशेष रूप से मौजूद थे।
कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बहु खेल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को तैयार और प्रेरित करना था।

तेल के लिए भुगतान पर रोक नहीं, रूस पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए तैयार : अमेरिका

वाशिंगटन/नयी दिल्ली। रूस से कम लागत पर ईंधन की खरीद करने को लेकर भारत के खिलाफ पश्चिमी देशों के विरोध के बीच अमेरिका ने कहा है कि रूस से तेल खरीद के भुगतान को लेकर भारत पर कोई प्रतिबंध नहीं हैं। हालांकि उसे आशा है कि भारत अपनी ईंधन आवश्यकताओं की पूर्ति रूस की बजाय अमेरिका से करेगा।
व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने अमेरिका रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का पालन करने के लिए भारत और चीन पर दबाव बनाने जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका का संदेश है कि हर देश को घोषित प्रतिबंधों का पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह ने पिछले हफ्ते भारत दौरे के दौरान स्पष्ट किया था कि अमेरिका नहीं मानता है कि भारत का रूस से ईंधन एवं अन्य वस्तुओं का आयात बढ़ाना उसके हित में है।
उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं हमारे उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह हाल ही में भारत दौरे पर थे। आप जानते हैं, अभी कुछ रिपोर्टिंग दी गई है, ऊर्जा भुगतान पर प्रतिबंध नहीं हैं। इस बारे में कोई निर्णय हर देश का अपना निर्णय है। हम इस बारे में बहुत स्पष्ट हैं कि सब देश अपने निर्णय लें। हमने अपना निर्णय लिया है और अनेक अन्य देशों ने अपने स्तर पर रूस से ऊर्जा आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले लिये हैं।
उन्होंने कहा कि श्री सिंह ने अपने भारत दौरे में समकक्षों को स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका नहीं मानता है कि रूस से ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का आयात बढ़ाना के लिए भारत के हित में है। उन्होंने यह भी माना कि रूस से भारत का ऊर्जा आयात भारत की कुल ऊर्जा जरूरतों का केवल एक से दो प्रतिशत मात्र है।
उन्होंने कहा कि श्री सिंह ने अमेरिकी प्रतिबंधों की व्यवस्थाओं को विस्तार से समझाया है और दोहराया है कि किसी भी देश या संस्था को उनका पालन करना चाहिए। हमने यह भी स्पष्ट किया कि हम उनकी रूस पर निर्भरता को थोड़ा सा भी कम करके अपनी भागीदारी बढ़ा सके तो यह संतोषजनक बात होगी।
रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कथित तौर पर भारत को रूस के साथ संबंध बढ़ाने को लेकर नकारात्मक परिणामों के प्रति आगाह किया था। श्री सिंह की टिप्पणी द्विपक्षीय वार्ता के लिए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की भारत यात्रा से एक दिन पहले की थी। श्री लावरोव के दौरे के दौरान भारत की ऊर्जा की खरीद और रुपये-रूबल भुगतान प्रणाली पर चर्चा हुई थी।

अमेरिका ने गुप्त रूप से हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने मार्च में हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था हालांकि रूसे के साथ बढ़ते तनाव तथा राष्ट्रपति जो बाइडेन के यूरोप की यात्रा करने के कारण इस संबंध में दो सप्ताह तक कोई बयान नहीं दिया। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। सीएनएन ने इस अधिकारी के हवाले से कहा कि लॉकहीड मार्टिन संस्करण के पहले हाइपरसोनिक एयर-ब्रीथिंग वेपन कॉन्सेप्ट (एचएडब्ल्यूसी) को पश्चिमी तट से बी 52 बमवर्षक विमान से परीक्षण किया गया था। उन्होंने बताया कि पांच मार्च को बूस्टर इंजन ने मिसाइल को गति प्रदान की, जिसके बाद एयर-ब्रीथिंग का स्क्रैमजेट इंजन मिसाइल को प्रजवलित कर हाइपरसोनिक गति के लिए आगे बढ़ाया। उन्होंने आगे बताया कि मिसाइल ने लगभग 65 हजार फुट की ऊंचाई तथा तीन सौ मिल की दूरी तय की थी। इस मिसाइल का परीक्षण रूस के यूक्रेन में सैन्य अभियान करने के दौरान उसके गोला बारुद भंडार पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला करने के दावे के बाद किया गया।

अंतरिम प्रधानमंत्री को लेकर अल्वी का पत्र नहीं मिला: शाहबाज

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति के लिए नामों के प्रस्ताव के संबंध में राष्ट्रपति आरिफ अल्वी का कोई पत्र नहीं मिला है।
पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष ने कहा, मुझे अभी तक राष्ट्रपति अल्वी से आधिकारिक तौर पर कोई पत्र नहीं मिला है।
द डॉन ने श्री शरीफ के हवाले से कहा कि जब भी उन्हें पत्र मिलेगा, वह पहले अपनी कानूनी टीम और विपक्षी सहयोगियों से सलाह लेंगे और फिर अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए नाम भेजेंगे। उन्होंने कहा, आरिफ अल्वी और इमरान खान नियाजी ने संविधान का उल्लंघन किया है और उसे रौंदा है। इस मामले पर पहले फैसला लिया जाना चाहिए। बाकी चीजें बाद में देखी जाएंगी।
तीन अप्रैल को नेशनल असेंबली की कार्यवाही पर उन्होंने कहा कि डिप्टी स्पीकर के फैसले ने संसद के 197 सदस्यों को देशद्रोही करार दिया था। प्रधानमंत्री इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने सोमवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश गुलजार अहमद को पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश की थी।
इससे पहले, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने श्री खान और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ को पत्र भेजकर कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति के लिए सुझाव मांगे थे।
जियो न्यूज के अनुसार, यदि दोनों राजनेता तीन दिनों के भीतर एक नाम पर आम सहमति तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो उनमें से प्रत्येक कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार संसदीय समिति को दो नाम भेजेंगे। उल्लेखनीय है कि आठ सदस्यीय संसदीय समिति का गठन नेशनल असेंबली के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा जिसमें नेशनल असेंबली और सीनेट दोनों से सदस्य शामिल होंगे और सत्तारूढ़ दल और विपक्ष का समान प्रतिनिधित्व होगा।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 300 के पार हुआ श्रीलंकाई रुपया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के इतिहास में पहली बार मंगलवार को एक अमेरिकी डॉलर की आधिकारिक कीमत 300 श्रीलंकाई रुपये के पार पहुंच गई। श्रीलंकाई न्यूजवायर ने बताया कि लाइसेंस प्राप्त वाणिज्यिक बैंकों में डॉलर का बिक्री मूल्य बढ़कर 310 श्रीलंकाई रुपये हो गया है।
यह पहला मौका है, जब डॉलर की कीमत ने श्रीलंका के स्थानीय बैंकों में 300 रुपये का आंकड़ा पार किया है।
गौरतलब है कि श्रीलंका इस समय अपने अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है।

श्रीलंका : राष्ट्रपति पद नहीं छोड़ेगें गोतबाया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सूचित किया है कि वह राष्ट्रपति पद नहीं छोड़ेंगे, बल्कि संसद में 113 सीटों वाले किसी भी दल को सरकार सौंप देंगे। 'द डेली मिरर' ने मंगलवार को कहा कि राजपक्षे ने राष्ट्रपति और सरकार से इस्तीफा देने को लेकर देश भर में जारी विरोध के बीच सोमवार को राजनीतिक बैठकें कीं और राजनीतिक दलों से कहा कि वह राष्ट्रपति पद से नहीं हटेंगे। उन्होंने हालांकि,कहा कि वह संसद में 113 सीटों वाले किसी भी दल को सरकार सौंप देंगे।देश 1948 में मिली आजादी के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है।वहां सरकार के खिलाफ सार्वजनिक विरोध हो रहे हैं। इस बीच राष्ट्रपति का संसद बुलाने का कार्यक्रम है। श्री राजपक्षे की श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के नेतृत्व वाले सरकार के साथ गठबंधन में शामिल पार्टियों ने स्वतंत्र रहने का फैसला किया है। सरकार ने संसद में अपना दो-तिहाई बहुमत खो दिया है। श्री राजपक्षे की कैबिनेट पहले ही इस्तीफा दे चुकी है। राष्ट्रपति ने विपक्षी दलों से उन्हें राष्ट्रीय सरकार बनाने और कैबिनेट विभागों को स्वीकार करने में मदद करने का आह्वान किया, लेकिन विपक्ष ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए राष्ट्रपति को इस्तीफा देने के लिए कहा।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने तीन महीने में आम चुनाव कराने में जतायी असमर्थता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि संसद भंग होने के बाद कानूनी, संवैधानिक और अन्य तरह की चुनौतियों के मद्देनजर तीन महीने के अंदर आम चुनाव कराना संभव नहीं है। मीडिया में मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। निर्वाचन आयोग ने ट्वीट किया, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि चुनाव आयोग ने चुनाव के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में कहा था कि संसद भंग होने के बाद तीन महीने में निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराने में असमर्थता जतायी है। डॉन अखबार के अनुसार निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन होना और जिला तथा निर्वाचन क्षेत्र के आधार पर मतदाता सूची तैयार करना ऐसी प्रमुख चुनौतियां हैं, जिनके कारण आम चुनाव कराने में लगभग छह महीने का समय लग सकता है। अधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से संबंधित सामग्री खरीदना, मतपत्रों की व्यवस्था करना और चुनाव कर्मियों की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को स्नैप पोल के लिए एक सिफारिश भेजी गई है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान की फंड सुविधा पर लगायी रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ (पीटीआई) की सरकार के पतन और नेशनल असेंबली के भंग होने के परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने देश की फंड सुविधा पर रोक लगा दी है। पाकिस्तान के समाचारपत्र 'डॉन' ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी इस्लामाबाद में आईएमएफ के प्रतिनिधि एस्तेर पेरेज़ रुइज़ ने कहा कि वे देश में नयी सरकार बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं और इसके बाद फंड की सुविधा बहाल कर दी जायेगी। श्री रुइज़ ने हालांकि आश्वस्त किया है कि आईएमएफ पाकिस्तान को अपना समर्थन जारी रखेगा तथा देश में एक बार नयी सरकार बन जाने के बाद हम व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए नीतियों पर काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के लिए छह अरब डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा इस महीने की शुरुआत में उस समय खटाई में पड़ गयी थी , जब प्रधानमंत्री इमरान खान ने कर माफी योजना और ऊर्जा की कीमतों में कटौती से जुड़े एक बड़े राहत पैकेज की घोषणा की, जिस पर आईएमएफ ने असहमति जतायी थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

टाइगर श्रॉफ ने लगाई 13 फीट ऊंची जंप

मुंबई। बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ ने 13 फीट ऊंची जंप लगायी है, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

टागइर श्रॉफ अपनी जबरदस्त फिटनेस को लेकर चर्चा में रहते हैं। टाइगर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह लगभग 13 फीट ऊपर लगे फायर सेफ्टी वॉटर पाइप को जंप लगा कर छू रहे हैं।इस वीडियो को टाइगर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टाइगर श्रॉफ शर्टलेस होकर जंप लगा कर लगभग 13 फीट ऊपर लगे फायर सेफ्टी पाइप को छू रहे हैं। इसके बाद वह वीडियो में वो एक के बाद एक लगातार बैक फ्लिक लगाते हुए दिख रहे हैं। साथ ही वो अपने एब्स भी फ्लॉट करते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर साझा कर उन्होंने कैप्शन लिखा, ये पाइप लगभग 13 फीट पर है। मुझे लगता है कि शायद मेरी पुरानी ताकत वापस आ गई है।

टाइगर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अलावा तारा सुतारिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की भी अहम भूमिका है।अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर रिलीज होगी।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं रणबीर कपूर, जबरदस्त है कार कलेक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड के टॉप एक्टर्स में से एक रणबीर कपूर अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफशनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में छाए रहते हैं। इन दिनों बॉलीवुड के गलियारों में रणबीर और आलिया की शादी के चर्चे चल रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कपल अप्रैल में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। लेकिन आज हम रणबीर कपूर के रिलेशनशिप या फिल्मों के बारे में नहीं बल्कि उनके

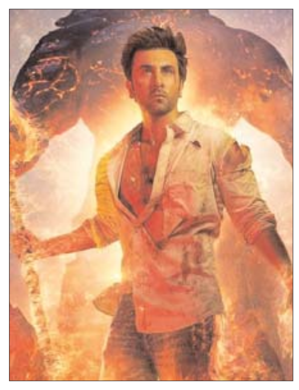

नेट वर्थ के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि रणबीर की संपत्ति कितनी है और उनके कार कलेक्शन में कौन-कौन सी गाड़ियां हैं?

करोड़ों की संपत्ति के हैं मालिक

रणबीर कपूर ने अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। वो लग्जरी लाइफ जीते हैं। कैकनॉलेज की रिपोर्ट के अनुसार, रणबीर कपूर के पास 322 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति है और वो एक महीने में 3 करोड़ से ज्यादा कमा लेते हैं।

आलीशान है घर

रणबीर कपूर का घर भी बेहद आलीशान है। वो जिस घर में रहते हैं, उसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये है। सिर्फ यही नहीं रणबीर का घर अंदर से भी बेहद खूबसूरत है। गौरी खान ने रणबीर का घर डिजाइन किया था।

लाइन में हैं कई फिल्में

रणबीर कपूर की फिल्मों की बात करें, तो उनकी आने वाली फिल्मों में एनीमल, शमशेरा और ब्रम्हास्त्र शामिल है। इन फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। रणबीर कपूर ने अब तक के फिल्मी करियर में संजू, रॉकस्टार, तमाशा, अजब प्रेम की गजब कहानी, रॉकेट सिंह और वेक अप सिड जैसी कई अच्छी फिल्में कीं हैं।

मई 2022 में हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग करेंगी आलिया भट्ट

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री आलिया भट्ट मई 2022 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग कर सकती है। आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी हाल ही में प्रदर्शित हुयी है, जिसमें उनके अभिनय को बेहद पसंद किया गया है। आलिया अब हॉलीवुड सिनेमा में डेब्यू करने जा रही है। आलिया अभिनेत्री गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं। बताया जा रहा है कि आलिया भट्ट कथित तौर पर अप्रैल में रणबीर कपूर से शादी करेंगी। शादी के बाद आलिया अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग के लिए यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के लिए उड़ान भरेगी।

पहली फिल्म के बाद इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं रश्मिका मंदाना, ये थी वजह

नई दिल्ली। साउथ की सुपरस्टार रश्मिका मंदाना आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनकी एक्टिंग से लेकर स्टाइल स्टेटमेंट तक को लोग खूब पसंद करते हैं। रश्मिका की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं।

रश्मिका मंदाना ने अब तक के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं। रश्मिका की जबरदस्त एक्टिंग को देखते हुए हिंदी फिल्मों के ऑफर्स भी उन्हें मिल रहे हैं। लेकिन आपको ये बात जानकर हैरानी होगी कि अपनी डेब्यू फिल्म के बाद एक्ट्रेस इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं। इसके पीछे क्या वजह थी ये हम आपको आज बताएंगे।

पहली फिल्म थी किरिक पार्टी

रश्मिका मंदाना ने फिल्म किरिक पार्टी से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया था। उनकी पहली ही फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी और इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस अवॉर्ड भी मिला था।

क्यों होना था इंडस्ट्री से दूर?

रश्मिका मंदाना से एक इंटरव्यू में पूछा गया था, 19 साल की उम्र में काम शुरू करने से आपको कैसा लगता है? क्या आप इस उम्र में बाकी लड़कियों की तरह फ्री होकर घूमना फिरना नहीं चाहती थीं? इस पर जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, मैं अपनी जिंदगी में खूब मस्ती करना चाहती थी। मैंने उस समय में जितनी मेहनत की आज उसी का फल मिला है। मैंने मन बना लिया था कि एक फिल्म करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ दूंगी। लेकिन मेरी किस्मत में कुछ और लिखा था और फैंस के प्यार ने मुझे रोक लिया।

बिजनेस संभालतीं रश्मिका

फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने के बाद रश्मिका मंदाना अपने पापा का बिजनेस संभालने वाली थीं। उन्होंने इस बात का खुलासा इंटरव्यू में ही किया था। उनके पैरेंट्स ने भी कहा था कि एक फिल्म कर लो और वापिस आ जाओ। लेकिन फिर उन्होंने एक्टिंग में ही करियर बना लिया।

400 करोड़ रूपये की मेगाबजट फिल्म बनायेंगे अजय देवगन!

मुंबई। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन 400 करोड़ की मेगा बजट फिल्म बना सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि फिल्म 'रनवे 34' की ईद पर रिलीज के तुरंत बाद अजय देवगन एक नई फिल्म का निर्देशन शुरू करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे बड़े बजट की फिल्म होगी और इसके स्पेशल इफेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। करीब 400 करोड़ रुपये के मेगा बजट में प्रस्तावित इस फिल्म के लिए अजय देवगन की कंपनी एनवाई वीएफएक्स वाला में काम शुरू होने की चर्चा है। चर्चा है कि अजय देवगन की यह मेगा बजट फिल्म एक पौराणिक (माइथोलॉजिकल) गाथा है, जिसके लिए अजय देवगन ने कहानी काफी पहले फाइनल कर ली थी।

नवरात्रि में रख रहे हैं नौ दिनों तक व्रत तो ऐसा रखें अपना खानपान, नहीं होगी कमजोरी

प्रिया मिश्रा

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 02 अप्रैल से हो चुकी है। नवरात्रि में लोग नौ दिनों तक माँ दुर्गा की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि व्रत रखने के पीछे धार्मिक कारण तो हैं ही लेकिन इसके साथ-साथ व्रत इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हुए हैं। जहाँ शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि नवरात्रि में माँ दुर्गा धरती पर आती हैं इसलिए इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करने के लिए भक्त व्रत-उपवास करते हैं। वहीं, हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, नवरात्रि ऐसे मौसम में पड़ती है जब मौसम बदल रहा होता है। चैत्र नवरात्रि मार्च-अप्रैल महीने में पड़ती है और शारदीय नवरात्र सितंबर-अक्टूबर महीने में शुरू होते हैं। ये दोनों ही महीने ऐसे होते हैं जब मौसम बदलता है। डॉक्टरों का मानना है कि बदलते मौसम में हमारे शरीर की इम्युनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है जिससे हम जल्दी संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं। बदलते मौसम में सर्दी-खाँसी, जुखाम और बुखार होने की संभावना ज्यादा होती है इसलिए इस मौसम में नवरात्रि व्रत रखने से एक फायदा यह भी होता है कि हम इन सभी

परेशानियों से बचे रहते हैं। लेकिन यह तभी सम्भव होगा जब आप व्रत में अपने खानपान और स्वास्थ्य का ख्याल रखेंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप नवरात्रि के नौ दिनों में अपनी सेहत का ख्याल कैसे रख सकते हैं -

पौष्टिक आहार लें

नवरात्रि व्रत में हल्का और पौष्टिक आहार लें। अपने खाने में प्रोटीन, कार्बोहायड्रेट और फैट की सही मात्रा शामिल करें जिससे आपको व्रत रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहे। कुछ लोग व्रत में कुछ नहीं खाते हैं, यह भी गलत है। अगर आप ठीक तरह से खाना नहीं खाएंगे तो आपके शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाएगा और आपको कमजोरी हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में फलाहार करें और पानी पिएँ।

ठंडी और तली-भुनी चीज़ों से परहेज करें

डॉक्टर्स के मुताबिक नवरात्रि व्रत में हमें ऐसा ज़्यादा तेल-मसाले वाला भोजन नहीं खाना चाहिए और हल्का भोजन करना चाहिए। अक्सर लोग व्रत तो रख लेते हैं लेकिन दिनभर कुछ ना कुछ तला-भुना खाते रहते हैं। नवरात्रि व्रत में लोग कुट्टू के आते की पूड़ी, आलू की सब्जी, पकौड़े, टिक्की आदि खाते हैं जिससे पेट ख़राब हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक व्रत में ज्यादा पौष्टिक आहार लेना चाहिए जिससे आपको व्रत रखने के लिए एनर्जी मिले। वहीं, बदलते मौसम में आपको ज्यादा तेल-मसाले और ठंडी चीज़ें खाने से परहेज करना चाहिए। अगर आप बदलते मौसम में अपने खान-पान का ध्यान नहीं रखेंगे तो बीमार पड़ सकते हैं।

खूब पानी पिएँ

व्रत में भरपूर मात्रा में पानी और तरह पदार्थों का सेवन करें जिससे आपके शरीर में पानी की कमी ना हो। इसके अलावा आप व्रत में फल, जूस, दूध-दही, पनीर, ड्राई फ्रूट्स आदि का सेवन करें जिससे आपके शरीर को पोषण मिलता रहे। बस इस बात का ध्यान रखें कि पौष्टिक और सही मात्रा में आहार लें।

ड्राई फ्रूट्स खाएं

ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने से शरीर को एनर्जी मिलती है और पेट भी भरा रहता है। आप नवरात्रि व्रत में बादाम, काजू, पिस्ता और किशमिश आदि का सेवन करें। इससे आपको इंस्टैंट एनर्जी मिलेगी और इम्युनिटी भी मजबूत होगी। हालाँकि, ध्यान दें कि ड्राई फ्रूट्स को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ही खाएँ।

नींद है जरुरी

अगर आपने व्रत रखा है तो सही खानपान के साथ अपनी नींद का भी ख्याल रखें। दरअसल, जब हम व्रत क्र रहे होते हैं तो हमारा शरीर डिटॉक्स मोड में चला जाता है।

खड़े होकर पानी पीने की आदत है तो हो जाएं सावधान! सेहत को हो सकते हैं ये बड़े नुकसान

प्रिया मिश्रा

कई बार पानी पीने की गलत आदत के कारण शरीर को नुकसान भी होता है। ज्यादातर लोगों को खड़े होकर पानी पीने की आदत होती है। अगर आपकी भी खड़े होकर पानी पीने की आदत है तो ज़रा सम्भल जाइए। खड़े होकर पानी पीने से सेहत के कई अंगों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

सेहतमंद रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरुरी है। शरीर में पानी की कमी से कई तरह की दिक्क्तों का सामना करना पद सकता है। पानी न केवल हमारे शरीर में मौजूद गंदगी को साफ करता है, बल्कि शारीरिक क्रियाओं को सही से चलने में मदद करता है। डॉक्टर्स के मुताबिक, सेहतमंद रहने के लिए दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए। लेकिन कई बार पानी पीने की गलत आदत के कारण शरीर को नुकसान भी होता है। ज्यादातर लोगों को खड़े होकर पानी पीने की आदत होती है। अगर आपकी भी खड़े होकर पानी पीने की आदत है तो ज़रा सम्भल जाइए। खड़े होकर पानी पीने से सेहत के कई अंगों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आज के इस लेख में हम आपको खड़े होकर पानी पीने के नुकसान बताने जा रहे हैं -

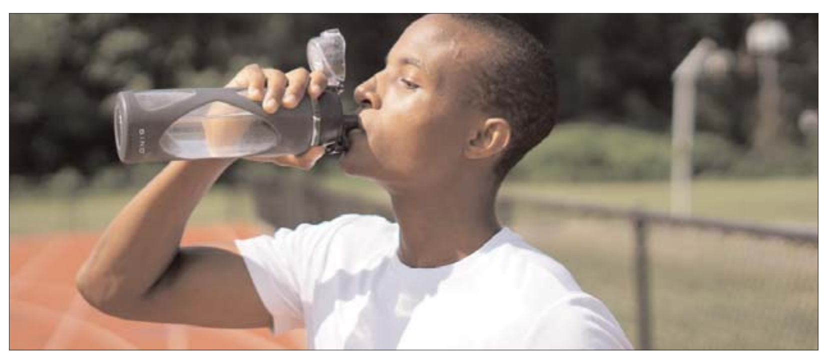

किडनी को नुकसान

अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो इससे आपकी किडनी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। खड़े होकर पानी पीने से पानी बिना फिल्टर हुए प्रेशर के साथ पेट में जाता है। जिसकी वजह से अशुद्धियाँ ब्लैडर में जमा होने का खतरा रहता है, जिससे किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है।

फेफड़े से जुड़ी बीमारी

खड़े होकर पानी पीने से फेफड़ों को भी नुकसान पहुंच सकता है। दरअसल, खड़े होकर तेजी से पानी पीने से यह तेजी से अंदर जाता है, जिससे फूड पाइप और विंड पाइप में ऑक्सीजन की सप्लाई रुक जाती है। इससे आगे चलकर फेफड़े से जुड़ी बीमारी हो सकती है।

गठिया की समस्या

खड़े होकर पानी पीने से घुटनों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा आपको गठिया और जोड़ों में दिक्कतों की भी शिकायत हो सकती है। दरअसल, जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो इससे हड्डियों के ऊपर प्रेशर पड़ता है, जिससे उनको नुकसान पहुँचता है। इससे आगे चलकर आपकी हड्डियाँ कमजोर हो सकती हैं और आपको गठिया की समस्या हो सकती है। इसलिए हमेशा बैठकर पानी पीने की सलाह दी जाती है।

पाचन से जुड़ी बीमारियां

खड़े होकर पानी का सेवन करने से पाचन तंत्र से जुड़ी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। जब भी हम खड़े होकर पानी का सेवन करते हैं तो इससे बहुत प्रेशर के साथ फ़ूड पाइप के जरिए पेट में पहुँचता है। इससे आपको पाचन से जुड़ी दिक्कतें हो सकतीं है और पेट में दर्द भी हो सकता है।

एसिड बाहर नहीं निकल पाता

खड़े होकर पानी पीने से शरीर से एसिड बाहर नहीं निकल पाता है, जिससे शरीर में एसिड का स्तर बढ़ने लगता है। वहीं, अगर आप बैठकर पानी पीते हैं तो इससे यूरिन के जरिए एसिड धीरे-धीरे शरीर से बाहर निकल जाता है। यही वजह है कि डॉक्टर्स बैठकर पानी पीने की सलाह दे सकते हैं।

गत तीन वर्षों में दोगुना हुए भारतीय वैज्ञानिक पेटेंट

इंडिया साइंस वायर

भविष्य में शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहन दिये जाने से संबंधित केंद्र सरकार के प्रयासों के बारे में संसद में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ सिंह ने बताया कि सरकार देश में शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत तीन विभाग- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) वैज्ञानिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन तीनों विभागों ने अपने द्वारा समर्थित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों, शोध प्रकाशनों, प्रौद्योगिकी विकास; और देश के समग्र विकास में योगदान देने वाले नवाचारों के माध्यम से महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान अर्जित किया है। इसका अंदाजा भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) द्वारा भारतीय वैज्ञानिकों को मिलने वाले पेटेंट से लगाया जा सकता है।

गत तीन वर्षों में भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) द्वारा भारतीय वैज्ञानिकों को पहले से दोगुने पेटेंट प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2018-19 में भारतीय वैज्ञानिकों को 2511 पेटेंट प्रदान किए गए थे, जिनकी संख्या वर्ष 2019-20 में बढ़कर 4003, और वर्ष 2020-21 में 5629 हो गई। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी; राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान; राज्य मंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष, डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा राज्यसभा में यह जानकारी प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि बढ़ती पेटेंट संख्या को वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार का एक संकेतक माना जा सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देशों के साथ तकनीकी अंतर को पाटने के लिए भारत के लिए पेटेंट महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने संसद को बताया कि भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) रैंकिंग में भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान सुधार हुआ है। जीआईआई इंडेक्स-2021 के अनुसार, भारत की जीआईआई रैंकिंग, जो वर्ष 2014 में 81वें पायदान पर थी, वह अब सुधरकर 46वें स्थान पर पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत के अनुसंधान प्रदर्शन में भी हाल के वर्षों में काफी सुधार हुआ है। एनएसएफ - विज्ञान और इंजीनियरिंग संकेतक-2022 रिपोर्ट का हवाला देते हुए डॉ सिंह ने बताया कि वैज्ञानिक प्रकाशनों में विश्व स्तर पर भारत की स्थिति 2010 के 7वें स्थान से सुधरकर 2020 में तीसरे स्थान पर आ गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में भारत का स्कॉलर आउटपुट बढ़कर 1,49,213 शोधपत्रों तक पहुँच गया, जो 2010 में सिर्फ 60,555 शोधपत्रों के प्रकाशन तक सिमटा हुआ था।

भविष्य में शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहन दिये जाने से संबंधित केंद्र सरकार के प्रयासों के बारे में संसद में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ सिंह ने बताया कि सरकार देश में शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस दिशा में किए गए प्रमुख प्रयासों में वैज्ञानिक विभागों के लिए योजना आवंटन में क्रमिक वृद्धि, और अकादमिक तथा राष्ट्रीय संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उभरते व अग्रणी क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों और अन्य सुविधाओं का निर्माण शामिल है। डॉ सिंह ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्यिगिकी के क्षेत्र में मानव और संस्थागत क्षमता निर्माण, मूलभूत एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं/कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के कार्यक्रमों एवं योजनाओं में फंड फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर, परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाएं , इंस्पायर फेलोशिप, विज्ञान में महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम, इंस्पायर अवार्ड मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज), विजिटिंग एडवांस्ड जॉइंट रिसर्च, शोध छात्रों को विदेश में सेमिनारों /संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता, नेशनल पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप योजना, डीएसटी की प्रधानमंत्री की रिसर्च फेलोशिप, और छात्रों एवं वैज्ञानिक को जोड़ने के लिए सीएसआईआर-जिज्ञासा कार्यक्रम मुख्य रूप से शामिल है। सरकार जैव प्रौद्योगिकी विभाग-विश्व विज्ञान अकादमी (डीबीटी-टीडब्ल्यूएएस) अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप और एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च फंडिंग के माध्यम से वैज्ञानिकों को अनुदान, सार्वजनिक-निजी शोध एवं विकास भागीदारी को प्रोत्साहन, अनुसंधान एवं विकास इकाइयों को मान्यता एवं वित्तीय प्रोत्साहन, और अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों में उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए समर्थन के माध्यम से शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित प्रयासों को बढ़ावा दे रही है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2021-22 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत तीनों विभागों को लगभग 13,499 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिसमें से करीब 11,502 करोड़ रुपये की निधि इन विभागों द्वारा प्रयुक्त की जा चुकी है।